WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

शेरनी होगी विद्या बालन की अगली फिल्म,अभिनेत्री ने शुरू की शूटिंग

वर्षः 01 अंक : 306 | लखनऊ, रविवार, 25 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

लगातार छठे दिन 60 हजार से कम आये कोरोना के नए मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के नए मामले लगातार छठे दिन 60 हजार से कम दर्ज किये गए है जिससे सक्रिय मामले घटकर 6.80 लाख रह गए हैं। देश में सोमवार को कोरोना के 55,722, मंगलवार को 46,790, बुधवार को 54,044, गुरुवार को 55,839, शुक्रवार को 54,366 तथा शनिवार को 53,370 नए मामले दर्ज किये गए है। वहीं सक्रिय मामलों में लगातार कमी से अब इसकी संख्या घटकर 6,80,680 पर आ गई है तथा पिछले 24 घंटों के दौरान 67,549 लोगों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों का आंकड़ा 70 लाख को पार कर गया हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 53,370 नये मामले आये, 67,549 स्वस्थ हुए तथा 650 संक्रमितों की मौत हुई। इन्हें मिलाकर कोरोना के कुल मामले 78.14 लाख हो गए हैं जिनमें से 70.16 लाख मरीज स्वस्थ हो चुके है और 117,956 मरीजों की मौत हो चुकी हैं। कुल संक्रमण के मामलों में की तुलना में सक्रिय मामले 8.71 प्रतिशत रह गये हैं जबकि कोरोना को मात देने वालों की दर 89.78 प्रतिशत के पास पहुंच गयी है तथा मृत्यु दर अभी 1.51 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 6084 घटकर 144,426 हो गये हैं जबकि 184 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,015 हो गयी है। इस दौरान 13,247 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 14.45 लाख से अधिक हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 इसी अवधि में कोरोना मरीजों की संख्या में 3444 की कमी से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 89502 लाख हो गई हैं। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 10,821 पर पहुंच गया है तथा अब तक 6.93 लाख से अधिक लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 536 कम होने से सक्रिय मामले 31,721 रह गये। राज्य में अब तक 6544 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 7.62 लाख लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 863 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 28,268 हो गये हैं तथा इस महामारी से 6830 लोगों की मौत हुई है।

प्रधानमंत्री देश को सच्चाई से दूर भागना सिखा रहे हैं:राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीडीपी में गिरावट और लोगों की कथित तौर पर नौकरियां जाने के मुद्दे को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री देश को सच्चाई से दूर भागना सिखा रहे हैं, जिसका नतीजा है कि लाखों लोगों की आजीविका चली गई। उन्होंने एक खबर शेयर करते हुए ट्वीट किया, हमारे प्रधानमंत्री भारत को यह सिखा रहे हैं कि सच्चाई से कैसे दूर भागा जा सकता है। इसका नतीजा है कि लाखों लोगों की गरिमा और आजीविका चली गई। कांग्रेस नेता ने जो खबर साझा की है, उसके मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने संकेत दिया

है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नुकसान की भरपाई होने में वर्षों का समय लग सकता है। बता दें कि राहुल गांधी यह बयान बीजेपी की ओर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में किए गए 19 लाख नौकरियों के वादे पर आया है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा है कि यह लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपए जमा करने जैसा है। राहुल गांधी ने अपने चुनावी संबोधन में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में किसानों और मध्यम और छोटे व्यवसायों की रीढ़ तोड़ दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं लेकिन उन्होंने पिछले छह वर्षों में देश को कमजोर किया है। हिंदुस्तान आज कमजोर है। इसकी अर्थव्यवस्था दबी हुई है, किसानों पर अत्याचार हुआ है और छोटे दुकानदार बेचैन हैं। यही वजह है कि चीन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की।

होशियारपुर दुष्कर्म की घटना पर कांग्रेस की चुप्पी दुखद:सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के होशियारपुर में छह साल की एक बच्ची से दुष्कर्म की घटना की निंदा करते हुए कहा है कि इस घटना को लेकर कांग्रेस पार्टी की चुप्पी दुखद है। भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, होशियारपुर में बिहार के प्रवासी खेतिहर मज़दूर की छह साल की बेटी के साथ दुष्कर्म करके उसे मार डाला गया और लाश को जलाने की कोशिश की गई। इस शर्मनाक घटना पर कांग्रेस की चुप्पी दुखद है।दुष्कर्म जैसी घटनाओं को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा हम सबकी प्राथमिकता है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि ÷मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि जहां कांग्रेस की सरकार नहीं होती है वहां आप गाड़ी में बैठकर पिकनिक में जाने जैसा विरोध दर्ज कराते हैं लेकिन होशियारपुर के लिए कुछ नहीं कहते। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर ट्वीट करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर ढाई दिन बीत जाने के बाद भी कोई ट्वीट नहीं किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के साथ शुक्रवार को बिहार चुनाव प्रचार में गए लेकिन बिहार की बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना पर कुछ नहीं बोले।

देवेंद्र फडणवीस कोरोना संक्रमित

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। श्री फडणवीस ने शनिवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी।उन्होंने कहा,÷मैं लॉकडाउन के बाद से हर दिन काम कर रहा हूं, लेकिन अब ऐसा लगता है कि भगवान चाहते हैं कि मैं थोड़ी देर के लिए रुक जाऊं और छुट्टी ले लूं! मैं कोरोना संक्रमित हूं और आइसोलेशन में हूं।डाक्टरों की सलाह के अनुसार सभी दवाएं और उपचार लेना शुरू कर दिया है। बिहार विधानसभा चुनावों के पार्टी प्रभारी श्री फडणवीस ने अपने संपर्क में आने वाले महाराष्ट्र और बिहार के नेताओं को फिर से कोविड-19 की जांच कराने तथा सभी को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

गुपकार समझौते को लेकर फिर हुई बैठक

अब्दुल्ला अध्यक्ष और महबूबा होंगी समिति की उपाध्यक्ष

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर स्थित महबूबा मुफ्ती के आवास पर शनिवार को एक बार फिर पीपुल्स एलायंस के सदस्यों ने मिलकर गुपकार समझौते पर बैठक की। इस बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। फारूक अब्दुल्ला ने इस दौरान कहा कि यह कोई देश विरोधी जमात नहीं है। हमारा उद्देश्य बस यह सुनिश्चित करना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के अधिकारों को फिर से बहाल किया जाए। धर्म के नाम पर हमें विभाजित करने के प्रयास विफल होंगे। यह कोई धार्मिक लड़ाई नहीं है। पिपुल्स एलायंस गुपकार समझौते की बैठक के बाद

नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम भाजपा के विरोध में हैं, देश के नहीं। पिपुल्स एलायंस गुपकार समझौते की बैठक के बाद सज्जाद लोन ने बताया कि फारूक अब्दुल्ला इस समिति के अध्यक्ष होंगे और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती उपाध्यक्ष होंगी। इस संबंध में अगले एक महीने के अंदर दस्तावेज भी तैयार कर लिए जाएंगे। इनके माध्यम से हम उन तथ्यों को सामने लाएंगे जिनका झूठा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। मुखिया फारूख अब्दुल्ला के घर पर प्रदेश के कई दलों के नेताओं ने बैठक की थी। इसमें पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस एवं अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत कई राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। करीब दो घंटे तक चली उस बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि सभी पार्टियों ने इस समझौते का नाम गुपकार से बदलकर पीपुल एलायंस गुपकार समझौता करने पर आम सहमति जताई है।

भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तानी क्वॉड कॉप्टर सेना ने मार गिराया

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के केरन सेक्टर में आज पाकिस्तान का एक क्वॉड कॉप्टर घुस आया जिसे भारतीय सेना ने सफलतापूर्वक मार गिराया। जानकारी के अनुसार यह क्वॉड कॉप्टर एलओसी से अंदर घुस आया था और भारतीय सीमा में मंडरा रहा था। जब सेना को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने सुबह आठ बजे इसे मार गिराया। इस क्वॉड कॉप्टर को चीनी कंपनी ने बनाया था और डीजेआई माविक 2 प्रो मॉडल का था। बीते कुछ समय से हथियारों की सप्लाई के लिए पाकिस्तान ऐसे क्वॉड कॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि भारतीय सेना भी अक्सर ही उनके इन मंसूबों को नाकाम करती रहती है। पाकिस्तान की ओर से अनमैन्ड एरियल वीकल्स (यूएवी) का इस्तेमाल सर्विलांस और आतंकियों को हथियार पहुंचाने के लिए होता रहा है।

जीएसटी रिटर्न भरने की अंतिम तिथि बढ़ी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए जीएसटीआर-9, जीएसटीआर-9ए और जीएसटीआर- 9सी के तहत जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर 2020 कर दी है। केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने शनिवार को इस बाबत ट्वीट करके जानकारी दी । बोर्ड ने कहा कि पहले ये रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर थी लेकिन कोरोना के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर अब इस तिथि को बढ़ाकर 31 दिसंबर 2020 किया जा रहा है। बोर्ड ने बताया कि सरकार के पास वित्त वर्ष 2018-19 के लिए जीएसटी रिटर्न भरने की तारीख को बढ़ाने के संबंध में कई सिफारिशें आ रहीं थीं। कोरोना संक्रमण के कारण लगाये गये लॉकडाउन और अन्य प्रतिबंधों के कारण व्यापार का सामान्य संचालन शुरू नहीं हुआ है। इसी के कारण रिटर्न भरने की तिथि की मांग की जा रही थी और इस पर जीएसटी परिषद की सिफारिश के बाद रिटर्न भरने की तारीख को बढाने का निर्णय लिया गया। बोर्ड ने कहा है कि जिन कारोबारियों का टर्नओवर दो करोड़ रुपये से कम है, उनके लिए जीएसटीआर-9 या जीएसटीआर-9ए के तहत वार्षिक रिटर्न फाइल करना वैकल्पिक है। इसी तरह जिन कारोबारियों का कुल टर्नओवर पांच करोड़ रुपये से कम है उनके लिए वित्त वर्ष 2018-19 के लिए जीसीटीआर-9सी के तहत रिटर्न भरना भी वैकल्पिक है।

मध्यप्रदेश उप-चुनाव

तोमर के चरणों में तोमर, अरुण यादव ने कसा तंज, दिग्विजय ने भी किया ट्वीट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में उप-चुनाव के दिन ज्यों -ज्यों नजदीक आ रहे हैं त्यों-त्यों नेताओं के कई रंग देखने को मिल रहे हैं। वोट मांगने के लिए नेता हर किसी के पैरों में गिर रहे हैं। ताजा वाकया कांग्रेस से भाजपा में गए नेता प्रद्युम्न सिंह तोमर का है, जो कांग्रेस कार्यकर्ता के सामने घुटने के बल बैठकर वोट मांगते नजर आ रहे हैं। वे कांग्रेस कार्यकर्ता को अपने तरफ से मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सिंधिया के साथ भाजपा में गए और ऊर्जा मंत्री बने प्रद्युमन सिंह तोमर समर्थन पाने के लिए कांग्रेस नेता रघुनाथ सिंह तोमर के घर गए,पैरो पर गिर गए, गिड़गिड़ाए, वीडियो को अरुण यादव ने

ट्वीट किया और तंज कसते हुए कहा कांग्रेस के कुछ नेता बिक सकते हैं पर कार्यकर्ता नहीं। एक तोमर के चरणों में गिरते दूसरे तोमर का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है और चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला ज्योतिरादित्य सिंधिया के गृह क्षेत्र का है इसलिए इसका महत्व बढ़ जाता है। ये वीडियो बताता है कि बगावत कर भाजपा में आए कांग्रेसी किस दौर से गुजर रहे हैं। अब कांग्रेस सांसद अरुण यादव ने बीजेपी नेता प्रद्युम्न सिंह तोमर के वीडियो को ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा कि देखिये कैसे एक बिकाऊ मंत्री ने कांग्रेस के टिकाऊ कार्यकर्ता के आगे घुटने टेक दिए, कांग्रेस के चंद नेता बिकाऊ हो सकते है मगर कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता टिकाऊ है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने भी इस अवसर को हाथ से नहीं जाने दिया। इस वीडियो को ट्वीट करते हुए दिग्विजय सिंह ने लिखा- यही फर्क है बिकाऊ और टिकाऊ में। कांग्रेस को अपने टिकाऊ कार्यकर्ताओं और नेताओं का पूरा ख्याल रखना चाहिए। अभी तो घुटने टेके हैं। 3 नवंबर तक यह साष्टांग करेंगे। चुनाव हारने के बाद आंख दिखाएंगे।

राजद का घोषणा पत्र जारी

10 लाख नौकरी और नई औद्योगिक नीति का वादा

पटना, एजेंसी। बिहार की मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता एवं महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी प्रसाद यादव ने आज कहा कि उनकी सरकार बनने पर दस लाख सरकारी नौकरी के साथ ही रोजगार सृजन के लिए नई औद्योगिक नीति बनाई जाएगी। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री यादव ने महागठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पूर्व यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा के साथ ही अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का 'प्रथम प्रतिज्ञा प्रथम प्यार, सुखी समृद्ध सर्वोत्तम बिहार' के नाम का घोषणा पत्र जारी किया।

उन्होंने कहा कि यह पार्टी का घोषणा पत्र नहीं बल्कि राजद का संकल्प है। श्री यादव ने कहा कि बिहार को खुशहाल और समृद्ध बनाएंगे। प्रदेश का हर गांव स्मार्ट बनेगा। उन्होंने कहा कि संविदा व्यवस्था को समाप्त कर सभी कर्मचारियों को स्थाई किया जाएगा तथा समान काम के बदले समान वेतन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी में दो तरह की व्यवस्था नहीं होगी।

चीन की सेना का भ्रम तोड़ा आईटीबीपी ने: किशन रेड्डी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने प्रतिकूल परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा में मुस्तैदी से डटी भारत तिब्बत सीमा पुलिस की सराहना करते हुए आज चीन का नाम लिये बिना कहा कि बल के जवानों ने दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में से एक होने का दम भरने वाली सेना का भ्रम तोड़ दिया है। श्री रेड्डी ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 58 वर्ष पूरे होने पर बल के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बल के हिमवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। हाल के महीनों में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बल के जवानों के साहसिक कारनामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि

दुनिया की कुछ सेनाओं को अपनी ताकत पर भम्र था कि वे सबसे ताकतवर सेनाएं है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में आईटीबीपी ने उनका भ्रम तोड़ दिया। उनके शौर्य और साहस पर देश को गर्व है। उन्होंने कहा कि बल के जवान बेहद अधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में सीमाओं पर बहादुरी के साथ डटे हुए हैं और अपनी जान को जोखिम में डालने से पीछे नहीं हटते। सरकार की ओर से वह उनके परिजनों को विश्वास दिलाते हैं कि पूरा देश तथा सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा भारत की संस्कृति यह संदेश देती है कि पूरी दुनिया एक परिवार है लेकिन हमें भारतीय संस्कृति और अपने पूर्वजों पर इस बात के लिए भी गर्व होना चाहिए कि उन्होंने हमें शास्त्र-विद्या के साथ साथ शस्त्रपूजा करना भी सिखाया। उन्होंने कहा पता नहीं चलता कि दुश्मन किसी रूप में और कहां से आ जाये इसलिए हमें हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जिन्होंने बिहार में अपहरण उद्योग चलाया क्या वे लोग दे सकते हैं रोजगार:जेपी नड्डा

लखीसराय, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को एक जनसभा को संबोधित करने लखीसराय पहुंचे। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी-नीतीश की जोड़ी है तो विकास है, राजद है तो विनाश है। उन्होंने राजद के 10 लाख रोजगार देने वाले वादे पर भी तंज कसा है। नड्डा ने कहा कि जिन्होंने बिहार में अपहरण उद्योग चलाया, क्या वो लोग रोजगार दे सकते हैं? ये भुलावे में रखने वाले लोग हैं। प्रजातंत्र में ऐसे लोगों को करारा जवाब वोट के माध्यम से दिया जाता है। इसलिए एनडीए के उम्मीदवारों को जिताना आपकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आरजेडी अराजकता पर विश्वास करती ही है, अब दोस्ती भी कर ली तो माले के साथ। जो वामपंथी देश के टुकड़े-टुकड़े करने की बात करते हैं, उनके साथ सीटों का बंटवारा कर लिया। इनके साथ कांग्रेस और मिल गई है, जो आजकल पाकिस्तान की वकील बनी हुई है। आरजेडी के स्वभाव में ही अराजकता है, इन्होंने कभी बिहार की जनता से माफी नहीं मांगी। नीतीश जी ने इनका साथ इसीलिए छोड़ा क्योंकि वो जानते थे कि इनके साथ चलकर सुशासन नहीं कुशासन ही आएगा। बिहार का ये चुनाव आपके आने वाले भविष्य के लिए है। हम ऐसी पार्टी के सदस्य हैं, जो लोगों की सेवा करती है, गरीब के घर में भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान मोदी जी ने 80 करोड़ जनता के लिए मार्च महीने से लेकर दिवाली और छठ तक प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं/चावल और प्रति परिवार एक किलो चना का दाल देने का काम किया है। नड्डा ने कहा कि कृषि सुधार कानूनों के माध्यम से नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को उनकी उपज मंडी के अलावा कहीं भी बेचने की सुविधा दी है।

अमृतसर में एसजीपीसी टास्क फोर्स और सिख संगठनों में टकराव

तलवारें और लाठियां चलीं, कई चोटिल

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर में एसजीपीसी टास्क फोर्स और सिख संगठनों के बीच टकराव हो गया है। तलवारें और लाठियां चलने से कई लोग के चोटिल होने की खबर है। यह टकराव सतिकार कमेटी, सिख संगठनों और एसजीपीसी टास्क फोर्स के बीच हुआ है। बता दें कि सिख संगठन 40 दिनों से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के लापता 328 पावन स्वरूपों के मामले के आरोपी एसजीपीसी के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। सिख संगठनों व एसजीपीसी टास्क फोर्स के बीच पहले धक्कामुक्की के साथ झड़प हुई। इसके बाद दोनों पक्षों ने हवा में तलवारें लहराकर एक दूसरे को ललकारा। टास्क फोर्स के कर्मचारियों व सिख संगठनों के सदस्यों ने तेजधार हथियारों, तलवारों व लाठियों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों तरफ के लोगों को चोटें आई हैं। समाचार लिखे जाने तक स्थिति नियंत्रण में लेकिन तनावपूर्ण बनी हुई थी। वहीं कवरेज के लिए पहुंचे मीडिया कर्मियों को भी टास्क फोर्स के कर्मचारियों ने थप्पड़ मारे और उनके मोबाइल और कैमरे छीनकर उन्हें कवरेज से रोक दिया। इसके बाद मीडिया कर्मियों ने भी धरना देकर एसजीपीसी के खिलाफ नारेबाजी की। जानकारी के अनुसार लापता 328 पावन स्वरूपों के मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग के लिए सिख संगठनों के सदस्य 40 दिन से धरने पर बैठे हैं। सतिकार कमेटी के नेता सुखजीत सिंह खोसा ने शनिवार को दोपहर बाद एक बार फिर एसजीपीसी मुख्यालय तेजा सिंह समुंद्री हॉल के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला जड़ दिया और गेट के बाहर आकर बैठ गए। इसके बाद एसजीपीसी के सदस्य लंगर खाने के लिए दफ्तर से बाहर निकले तो उन्हें जाने नहीं दिया गया।

सूचना

विजयादशमी के उपलक्ष्य में कार्यालय में दिनांक 25-10-2020 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 27-10-2020 को प्रकाशित होगा।

सम्पादक

मुख्य सचिव ने की कोविड-19 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

अधिक संख्या में पॉजिटिव वाले जिलों में टेस्ट की संख्या बढ़ायी जाये:मुख्य सचिव

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कोविड-19 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी, जिसमें चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज समेत सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण जिन मरीजों की हॉस्पिटल में मृत्यु हो रही है, उन सभी मामलों का सर्विलांस चेक किया जाये कि सर्विलांस टीम समय से पहुंची या नहीं तथा टेस्ट व इलाज शुरू होने में किसी प्रकार का विलम्ब तो नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त निजी चिकित्सालयों में जो मरीज टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाते हैं, उसकी सूचना मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर को समय से दी जा रही है या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जाये। निजी प्रयोगशालाओं में जांच में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की सूचना लैब द्वारा इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर व सीएमओ को अनिवार्य रूप से भेजी जा रही है अथवा नहीं, इसकी भी जांच कर अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन जिलों में अधिक पॉजिटिव केस आ रहे हैं, वहां टेस्ट की संख्या बढ़ा दी जाये। उन्होंने निर्देश दिये कोविड हॉस्पिटल्स में ऐसे सभी चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल स्टाफजो कि पीपीई किट पहनकर मरीजों को देखने व इलाज के लिए कोविड वार्ड में जाते हैं, वह अनिवार्य रूप से अपने नाम व पदनाम की पट्टिका अवश्य लगाएं ताकि मरीजों व तीमारदारों को इसकी पूरी जानकारी रहे तथा कोविड चिकित्सालयों में स्थापित सीसीटीवी फुटेज का भी नियमित अवलोकन किया जाये कि मरीजों के इलाज, भोजन, साफ-सफाई आदि सेवाओं में कोई कमी तो नहीं है और इलाज व हॉस्पिटल की सेवाओं से मरीज व उनके परिजन पूर्णतया संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि कोविड काल में विभिन्न विभागों द्वारा जो सराहनीय कार्य किये गये हैं तथा इलाज के फलस्वरूप स्वस्थ हुए मरीजों द्वारा जो फीडबैक दिया गया है, उसका विभिन्न प्रचार माध्यमों द्वारा जन सामान्य तक पहुंचाया जाये। बैठक में बताया गया कि पिछले 24 घन्टों के दौरान प्रदेश में कुल 2277 पॉजिटिव केस मिले हैं, 25 की मृत्यु है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस 27681 तथा होम आइसोलेशन में 12683 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। पिछले 24 घन्टों में 151740 नमूनों की जांच की गयी है। बैठक में कोविड-19 से सम्बन्धित वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

महिला संगठन राज्य के राज्यपाल और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया

लखनऊ, संवाददाता। शहर में कई महिला संगठनों ने अपनी बेटियों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और ट्रिपल तलाक से प्रभावित महिलाओं को दी जाने वाली 500 रुपये की पेंशन पर असंतोष व्यक्त किया है। इस संबंध में हाजी फ्हीम सिद्दीकी की अध्यक्षता में आज इंडियन नेशनल लीग के कार्यालय में संगठन से जुड़ी महिलाओं की एक बड़ी सभा आयोजित की गई। जिसमे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महिलाओं का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही इन मुद्दों पर राज्य की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात करेगा और राष्ट्रपति को एक ज्ञापन प्रस्तुत करेगा जिसमें यूपी के शासन पर और हाल ही में विशेष प्रश्न उठाए जाएंगे। ट्रिपल तलाक से प्रभावित महिलाओं के लिए सरकार द्वारा वादा किया गया 500 रुपये ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर है। इसलिए कोई भी महिला इस छोटी रकम को लेने के लिए तैयार नहीं है।

गंदगी में जीने को मजबूर चिरैन्दा पुरवा इलाके के लोग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के मालवीय नगर वार्ड के मोतीझील कालोनी क्षेत्र के चिरैन्दा पुरवा इलाके के लोग गंदगी में जीने को मजबूर हैं यहाँ की गलियों में नालियों का गन्दा पानी बह रहा है। जिससे सड़कों में कीचड़ का भी जमाव बना रहता है। ये सारी समस्याएं नाली न बनने के कारण उतपन्न हो रही है। लगभग पांच तीन पूरे होने वाले है। और उसके बावजूद भी आज तक क्षेत्रीय कोंग्रेस पार्टी की सभासद ने यहाँ नालियों का निर्माण नहीं कराया है। जिसके चलते क्षेत्र के घरों का गंदा पानी सड़कों में ही भरा रहता है। जिसके कारण छोटे छोटे बच्चों सहित वृद्ध व अन्य लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि सरकार की मुख्य प्राथमिक सब को स्वकक्ष जल योजना को मुँह चिढ़ाती यहाँ लगी नगर निगम की पेय जल टंकी के निकट यहाँ गंदे पानी से हुए जलजमाव का अम्भार हैं जिससे महामारी फैलने का खतरा बना हुवा हैं संबंधित विभाग और जन प्रतिनिधि कुम्भकर्णी नींद सोये हुए हैं यहाँ ऐसे हालात है जो नाली निर्माण न होने के कारण गन्दा पानी सड़क पर बहता रहता है। और अन्य मोहल्लों में नालियां बनी भी है तो वह चोक हो चुकी है। जिसके कारण गलियों में गंदे पानी का जलभराव बना रहता है। जबकि सरकार साफ सफाई के लिए लाखो रुपये नियुक्त सफाई कर्मियों पर खर्च करती है। ताकि इलाकों में बढ़िया साफ सफाई बनी रहे। किन्तु जिम्मेदारो के अनदेखी के चलते इस क्षेत्र में आज भी गलियों में गंदगी का अंबार लगा रहता है। स्थानीय लोगों ने सभासद पर सफाई ना कराने का आरोप लगाया है। साथ ही अधिकारियों से साफ सफाई कराने की मांग कर रहे हैं।

हफ्ता-ए-रहमत के अर्न्तगत बिल्लौचपुरा में खाने के पैकेट तकसीम किये गए

लखनऊ, संवाददाता। नबी पाक सल्ल0 के पैगाम-ए-रहमत को आम करने के सिलसिले में 6 से 12 रबी उल अव्वल मुताबिक 24 अक्तूबर से 30 अक्तूबर 2020 तक ''हफ्ता-ए-रहमत'' मनाने के लिए इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल की अपील पर आज बिल्लौचपुरा में जुहर की नमाज के बाद मस्जिद इब्राहीमी के बाहरी भाग में खाने के पैकेट तकसीम किये गए। मस्जिद के बाहर बिना किसी भेद भाव के बड़ी संख्या में भूके और जरूरत मन्द लोग जमा हुए और तरकारी व सब्जी पर आधारित खाने के पैकेट हासिल किये। इस अवसर पर ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद मुश्ताक, सचिव मौलाना मुहम्मद सुफ्यान निजामी, कुरैश वेलफेयर फाउण्डेशन के अध्यक्ष शहाबुद्दीन करैशी, हसन अहमद, मुहम्मद इरफान, मुहम्मद अनवार और विभिन्न लोग मौजूद थे।

परिवर्तन सरकारी योजनाओं से नही, सामाजिक चेतना से आएगा: प्रो. राकेश चन्द्रा

लखनऊ, संवाददाता। शिया पी.जी. कालेज द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आज छठवें दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें ''जेन्डर बायसनेस एण्ड इट्स डायमेन्सन (फोकसिंग ऑन मेन्टल स्टेज्स)'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में डा0 राकेश चन्द्रा, प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ मौजूद रहे और उन्होंने कहा कि पहले से ही बहुत सारे कानून और योजनाये मौजूद है जिनका क्रियान्वयन सही ढंग से नही हो रहा है। लोगों में जानकारी का अभाव है। 21वीं सदी में भी हमारा समाज महिलाओं को उनके अधिकार प्रदत्त नही करा पाया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन सरकारी योजनाओं से नही, सामाजिक चेतना से आएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 कनीज मेहंदी जैदी ने किया और आभार डॉ0 रजा शब्बीर ने व्यक्त किया। साथ ही साथ शिया पी0 जी0 कालेज के स्टूडेन्ट ग्रीवान्स रिड्रेसल सेल के डा0 एस0एम0 हसनैन, कमेटी अगेन्स्ट सेक्सुअल हरेसमेन्ट की कन्वीनर, डा0 समीना शफीक एवं स्टूडेन्ट काउंसिल फार्मूलेशन कमेटी के कन्वीनर, डॉ0 राबिन वर्मा ने सामूहिक रूप से महाविद्यालय मे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्राओं को दिये गये अधिकारों एवं समय-समय पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रसारित दिशा-निर्देशों के बारे में छात्राओं को जानकारी प्रदत्त करायी। पूर्व की भाँति शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाये जा रहे ऑनलाइन सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग के अंतर्गत ताइक्कांडो में ब्लैक बेल्ट प्रशिक्षक सोनू भारती और सुश्री रिंकू कुमारी ने छात्राओं को मार्शल आर्ट के माध्यम से मुसीबत में सुरक्षा के गुर सिखाये। उक्त कार्यक्रमों में गूगल मीट और फेसबुक लाइव के माध्यम से करीब 340 छात्र-छात्राओं, 80 से अधिक प्राध्यापकों और लगभग 45 अभिभावकों ने प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं

विजयादशमी अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक: योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी (दशहरा) पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम ने रावण का संहार किया था। सम्पूर्ण भारत में यह पर्व परम्परागत श्रद्धाभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, न्याय, शांति, परोपकार और लोक कल्याण हेतु समर्पित थे। नैतिक, मानवीय और सामाजिक मूल्यों के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन सद्मार्ग पर चलने एवं आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है। विजयादशमी का पर्व हमें आशा, उत्साह और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश देता है। विजयादशमी के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने आतंक, अन्याय एवं अधर्म के पर्याय रावण पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी शक्ति उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके भक्तों में शक्ति का संचार होता है। भगवान राम के समय से यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेसिंग का पूर्ण पालन करने की अपील की है।

अल्मोड़ा में सेना भर्ती रैली का लिखित परीक्षा 01 नवंबर को

लखनऊ, संवाददाता। थलसेना भर्ती कार्यालय अल्मोड़ा के अंतर्गत आनेवाले चार जिलों-बागेश्र, नैनीताल, अल्मोड़ा तथा उधम सिंह नगर के लिए गत् 25 फरवरी 2020 से 03 मार्च 2020 तक आयोजित सेना भर्ती रैली में भाग लेनेवाले अभ्यर्थी, जिन्होंने रिव्यू मेडिकल के लिए अभी तक सेना अस्पताल बरेली में रिपोर्ट नहीं किया है उन्हें थल सेना भर्ती कार्यालय अल्मोड़ा में 26 अक्टूबर 2020 को प्रातः 10 बजे से पहले अग्रिम कार्रवाही के लिए रिपोर्ट करने को कहा गया है। इसके उपरांत रिपोर्ट करनेवाले अभ्यर्थियों को अनुपस्थित माना जायेगा। मेडिकल फिट अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र थल सेना भर्ती कार्यालय अल्मोड़ा में 26 अक्टूबर 2020 को प्रातः 10 बजे तक दिये जायेगें। उपरोक्त भर्ती की लिखित परीक्षा आगामी 01नवंबर 2020 को दोपहर 12 बजे आर्मी गांउन्ड अल्मोड़ा में आयोजित की जायेगी। मेडिकल जॉच में उत्तीर्ण अभ्यर्थी लिखित परीक्षा के लिए01नवंबर 2020 को प्रातः 02 बजे अल्मोड़ा आर्मी ग्राउन्ड में प्रवेश पत्र के साथ उपस्थित हों।

मोदी आज फिर करेंगे मन की बात, लखनऊ के 3 पटरी दुकानदारों से करेंगे वार्ता

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 25 अक्टूबर को फिर मन की बात बात करेंगे। प्रधानमंत्री के हर महीने होने वाले इस कार्यक्रम का हिन्दी में आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जाएगा। हिंदी में प्रसारण होने के बाद अन्य भारतीय भाषाओं में भी प्रसारण होगा। आकाशवाणी से इसका प्रसारण दिन में 11 बजे किया जाएगा। इस दौरान मोदी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के तीन पटरी दुकानदारों से भी बात करेंगे।

महबूबा मुफ्ती को मोहसिन रजा की सलाह पाकिस्तान चली जाएं तो बेहतर होगा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहसिन रजा ने जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को धारा 370 हटाए जाने का विरोध करने व तिरंगे को कभी न फहराने को लेकर ऐलान करने पर पाकिस्तान जाने की सलाह दी है। बता दें कि मोहसिन रजा ने कहा कि महबूबा मुफ्ती इमरान खान और राहुल गांधी की भाषा बोल रही हैं। उन्होंने कहा कि नजरबंदी से बाहर आकर महबूबा मुफ्ती ने जिस प्रकार की भाषा बोली है यह साफदर्शाता है कि वह इमरान और राहुल गांधी की भाषा बोल रही हैं। ये लोग श्भारत तेरे टुकड़े होंगेश् गैंग के लोग हैं। ये देश में कभी एकता नहीं बनने देना चाहते हैं। रजा ने आगे कहा कि मुफ्ती कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस लागू करने की चाहत दिल में लेकर चली जाएंगी, लेकिन अब यह हो नहीं सकता है। इसलिए बेहतर है कि वह पाकिस्तान जाने का निर्णय ले लें जो ज्यादा अच्छा होगा। गौरतलब है कि महबूबा मुफ्ती हमेशा देश विरोधी सुर अलापती हैं। इसी क्रम में वह शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि हम अनुच्छेद 370 वापस लेकर रहेंगे। उन्होंने यह भी एलान किया कि जब तक ऐसा नहीं हो जाता, वो कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगी। महबूबा मुफ्ती ने तिरंगे को लेकर भी बड़ा एलान किया कि श्मैं जम्मू-कश्मीर के अलावा दूसरा कोई झंडा नहीं उठाऊंगी।

पासपोर्ट सत्यापन, हर जिले में 5-10 लाख माह वसूली, लगे अंकुश

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने पासपोर्ट जाँच के नाम पर एलआईयू द्वारा पूरे प्रदेश में की जा रही अवैध वसूली पर अंकुश लगाये जाने की मांग की है। डीजीपी यूपी एच सी अवस्थी को भेजी शिकायत में नूतन ने कहा कि कृपया अनुरोध है कि तत्कालीन डीजीपी, यूपी ने 04 नवम्बर 2011 के आदेश एलआईयू कर्मियों को पासपोर्ट जाँच के लिए आवेदक के घर नहीं जाने तथा कार्यालय के अभिलेखों के आधार पर ही अपनी आख्या देने के निर्देश दिए थे. इसके बाद अभिसूचना विभाग ने भी इस संबंध में बार-बार निर्देश दिए। नूतन ने कहा कि इसके बाद भी केवल देवरिया जिले को छोड़ कर पूरे प्रदेश में एलआईयू कर्मी सत्यापन के नाम पर आवेदक के घर जा रहे हैं जहाँ वे रु0 1000-2000 की उगाही करते हैं. इस उगाही में रु0 300-500 एलआईयू के इंचार्ज को मिलता है. प्रत्येक जिले में औसतन पासपोर्ट के 1000-3000 आवेदन प्रति माह आते हैं. इस तरह प्रत्येक जिले में औसत 5-10 लाख रुपये प्रति माह की वसूली मात्र पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर हो रही है।

भाजपा राज का परिचय अन्याय, अत्याचार,भ्रष्टाचार और चारों तरफभय, भ्रम का वातावरण: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज का परिचय अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार और चारों तरफ भय, भ्रम का वातावरण हो गया है। हत्या, लूट, अपहरण और बलात्कार का बोलबाला है। बेतहाशा मंहगाई, अवरूद्ध विकास, बेकारी, किसानों की बर्बादी से जिंदगी दूभर हो गई है। फर्जी एनकाउण्टर, निर्दोशों के जीवन से खिलवाड़ पर कोई अफसोस नहीं। बच्चियों के साथ आए दिन दुष्कर्म की घटनाओं से हर परिवार दहला हुआ है। उत्तर प्रदेश में सत्ता संरक्षित दबंगों का हर तरफ आतंक है। अपराधी अब पुलिस पर भी हाथ उठाने से नहीं चूक रहे हैं। पीलीभीत में 3 सिपाहियों को पीटने के बाद उन्हें विधायक निवास के बाहर अधमरा छोड़े जाने की शर्मनाक घटना घटी है। ऐसी पुलिस जनता की सुरक्षा कैसे करेगी? प्रदेश में खनन माफिया अपनी अलग ही सत्ता चला रहे हैं। सरकार के बड़े-बड़े नेताओं के संरक्षण में खनिज का काला धंधा चलता है। इस धंधे पर उंगली उठाते ही माफिया, सत्ताधीश और अफसरशाही का त्रिकोण सक्रिय हो जाता है। कई पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता इसमें अपनी जान गंवा बैठे हैं। बांदा में अध्यापक के 8 वर्ष के बालक का अपहरण और हत्या की घटना विचलित करने वाली है। फिरोजाबाद में 16 वर्ष की किशोरी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। रोज ही ऐसी घटनाएं सामने आती है। इससे भी बढ़कर यह दुःख की बात है कि अब अस्पतालों में भी पीड़िताओं के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाया जा रहा है। नोएडा की सूरजपुर कालोनी क्षेत्र में एक 8 वर्ष की बालिका दुष्कर्म की शिकार बनी। पीड़िता को 4 घंटे तक अस्पताल में बैठाए रखा गया। वह लगातार कराहती रही, किसी ने उसकी सुध नहीं ली। भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार काफी बढ़ गए हैं। जिला हमीरपुर के कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम खरौंज निवासिनी सावित्री पत्नी स्वर्गीय भोला दलित बाल्मीकि समाज से है। पीड़िता ने अपनी व्यथाकथा समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में आकर लिख कर दी है।

त्योहारों पर गहराया रेल यात्रा का संकट, रेलवे ने कई ट्रेनों को किया कैंसिल

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ तो कोरोना संकट मुंह बाए खड़ा है वहीं दूसरी ओर त्योहारों का क्रम भी शुरू हो गया है। ऐसे में त्योहारों के समय पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के चलते रेल यात्रा का संकट भी गहराता दिख रहा है। रेलवे ने इसी क्रम में कई ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। सीनियर डीसीएम, अंबाला डिवीजन हरि मोहन ने बताया कि पंजाब में किसान आंदोलन के चलते ट्रेनों को कैंसिल और शॉर्ट टर्मिनेट किया गया हैं। 4 नवंबर के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। इनके अलावा गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस, अमृतसर न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ अमृतसर एक्सप्रेस समेत आधा दर्जन ट्रेनें बीच रास्ते तक चलेगी। यह ट्रेनें अंबाला और सहारनपुर से वापस की जाएगी। रेलवे ने गाड़ी संख्या 02054-53 हरिद्वार-अमृतसर जनशताब्दी एक्सप्रेस 22 अक्तूबर से 4 नवंबर तक, 04624 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस 21 अक्तूबर से 4 नवंबर तक 04623 सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस 22 अक्तूबर से 4 नवंबर तक,04656 फिरोजपुर-पटना स्पेशल 23 व 30 अक्तूबर ,04655 पटना-फिरोजपुर स्पेशल 24 व 31 अक्तूबर, 02231-32-लखनऊ-चंडीगढ़ स्पेशल 22 अक्तूबर से 4 नवंबर तक,04888 ऋषिकेश-बाड़मेर स्पेशल 21 अक्तूबर से 5 नवंबर तक,04998 भटिंडा-वाराणसी स्पेशल 25 अक्तूबर से 4 नवंबर तक, 04612 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-वाराणसी स्पेशल 25 से 4 नवंबर तक, 04924 चंडीगढ़-गोरखपुर स्पेशल 22 अक्तूबर से 4 नवंबर तक ,02587 गोरखपुर-जम्मूतवी स्पेशल 26 व 30 अक्तूबर, 05097 भागलपुर-जम्मूतवी स्पेशल 27 व 3 नवंबर, 03255 पाटलीपुत्र-चंडीगढ़ 25 अक्तूबर से 4 नवंबर तक किया कैंसिल।

मदिरालाय एवं पिक्चर हॉल आदि खोल दिये तो दुर्गा प्रतिमा की स्थापना पर प्रतिबन्ध क्यों

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा आउट रीच कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने भारत देश में सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की, तथा कोरोना महामारी से मुक्ति के लिये ''देवी माँ'' से याचना की। श्री तिवारी ने दुःख एवं पीड़ा व्यक्त करते हुये कहा कि दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कई सालों से भव्यता और पवित्रता के साथ होता था किन्तु वह भारतीय जनतापार्टी के ''राज'' में बन्द हुआ है। कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण जब कभी दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन अपेक्षाकृत गन्दे पानी में होते हुये देखता हूँ तो पीड़ा होती है। आज जब भारतीय जनतापार्टी सरकार ने मदिरालाय एवं पिक्चर हॉल आदि खोल दिये हैं तो आखिर दुर्गा प्रतिमा की स्थापना पर इस बार प्रतिबन्ध क्यों लगाया गया ? जबकि दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना वर्षो पुरानी परम्परा बन गयी थी। चूँकि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं तो वहाँ माननीय प्रधानमंत्री जी दुर्गा पण्डालों में जाकर सम्बोधित कर रहे हैं, और उसी भारत देश के राज्य उत्तर प्रदेश में दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना के लिये केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनुमति नहीं दी गयी ? यह दोहरा चरित्र, दोहरा आचरण और दोहरा व्यवहार क्यों ? क्या इसलिये कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं ? क्या इसलिये ऐसा किया गया ? प्राचीन काल से स्थापित होने वाले दुर्गा पण्डालों की स्थापना को कोविड- 19 के नियमों का पालन करते हुये पूर्ववत बनाये रखा जाता तो बेहतर होता। श्री तिवारी ने कहा है कि बिहार के चुनाव में उत्साह से लबरेज राहुल गॉधी एवं तेजस्वी यादव की जनसभाओं में उमड़ता जनसैलाब, और दूसरी तरफ माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मा. मुख्यमन्त्री नितीश कुमार की जनसभाओं में चेहरे पर निराशा लिये पण्डाल में गुमसुम बैठे हुये लोग, जिनसे पण्डाल भरना भी मुश्किल था, अगर कोई पैमाना है तो कांग्रेस और राजद का दो तिहाई बहुमत के साथ आना तय है और भा.ज.पा.-जे.डी.यू. का बिहार से जाना तय है। श्री तिवारी ने भारतीय जनतापार्टी की इस घोषणा पर सवाल खड़ा किया है कि कोरोना वैक्सीन बनने पर बिहारियों को फ्री,निःशुल्क में कोरोना वैक्सीन दी जायेगी। क्या यह एक और जुमलेबाजी है ? मैं, माननीय प्रधानमंत्री जी से पूँछना चाहता हूँ कि यदि बिहारियो को ''कोरोना'' से बचाने के लिये फ्रीध्निःशुलक वैक्सीन दी जा रही है तो फिर उत्तर प्रदेश के निवासियों को क्यों नहीं ? या फिर देश के अन्य हिस्सों में क्यों नहीं ? आखिर कोरोना महामारी से बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु अत्यंत प्रभावित है, इन्हें फ्री निःशुल्क वैक्सीन क्यों नहीं, या फिर यह जनता के साथ एक और विश्वासघात और धोखा है, तथा एक और ''चुनावी जुमला'' है। यह दोहरा चरित्र एवं आचरण क्यों ?

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र के 188 गाँव बने सम्पूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम

लखनऊ, संवाददाता। नवरात्र पर्व के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में डाक विभाग ने पहल करते हुए नई इबारत लिखी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत आरम्भ सुकन्या समृद्धि योजना में तमाम कन्याओं के खाते खुलवाकर उनका भविष्य सुनिश्चित करने की पहल करते हुए नवरात्र पर्व की सार्थकता सिद्ध की है। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव की पहल पर नवरात्र के दौरान वाराणसी डाक परिक्षेत्र के 188 गाँवों में 10 साल तक की सभी सुयोग्य कन्याओं के सुकन्या खाते खुलवाकर उन्हें सम्पूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम बनाया गया है। इसी क्रम में वाराणसी के तपोवन शाखा डाकघर में आयोजित कार्यक्रम में पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने तमाम सुकन्याओं को पासबुक के साथ उपहार देकर सम्मानित किया। प्रवर डाक अधीक्षक सुमीत कुमार गाट, डाक अधीक्षक राम मिलन, महंत दीन बंधु दास , पार्षद वंदना सिंह, सहायक निदेशक शम्भू राय ने भी इन सुकन्याओं के सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अपने संबोधन में पोस्टमास्टर जनरल श्री यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का स्थान अहम है। सुकन्या समृद्धि योजना सिर्फ निवेश का ही एक माध्यम नहीं है, बल्कि यह बालिकाओं के उज्ज्वल व समृद्ध भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। वाराणसी परिक्षेत्र में अब तक 1 लाख 72 हजार से ज्यादा बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाये जा चुके हैं। श्री यादव ने कहा कि, इस योजना के आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक आयाम भी महत्वपूर्ण हैं।

नबी सल्ल0 की पैरवी में ही कामयाबी की कुंजी

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के अर्न्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल की जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में 12 दिवसीय ''जलसा सीरतुन्नबी स0 व सीरत-ए-सहाबा रजि और तहफ्फुजे शरीअत'' के जलसे कोविड-19 के प्रोटोकाल को देखते हुए किसी भी प्रकार की भीड़ जमा न करने की वजह से आन लाइन ही रिले किये जा रहे हैं। इस अवसर पर छेठे जलसे को सम्बोधन करते हुए मौलाना जफरूद्दीन नदवी ने कहा कि रसूल पाक सल्ल0 की पैरवी करने में ही दुनिया व आखिरत की कामयाबी है। आप सल्ल0 से दीन सीख कर आप सल्ल0 के सच्चे और अच्छे सहाबाक्राम रजि0 ने पूरी दुनिया में दीन-ए-इस्लाम का प्रचार व प्रसार किया। उन्होने कहा कि रसूल पाक सल्ल0 रहमतुललिलआलमीन हैं। आप सल्ल0 हर मोमिन के लिए रौशनी का ऐसा मीनार हैं जिसकी नूरानी किरणें कयामत तक जिन्दगी के हर पहलू को रौशन करती रहेंगी।

प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 92.62 प्रतिशत, होम आइसोलेशन में 12,683 लोग

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,51,740 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,39,08,303 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 2277 नये मामले आये हैं। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 2852 मरीज उपचारित होकर डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 4,33,703 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 92.62 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में 27,681 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। एक्टिव केसों में 59.43 प्रतिशत की कमी आई है। होम आइसोलेशन में 12,683 लोग हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 2,63,049 लोग होम आइसोलेशन की सुविधा प्राप्त करते हुए 2,50,366 लोगों ने अपने होम आइसोलेशन की अवधि पूर्ण कर ली है। उन्होंने बताया कि निजी चिकित्सालयों में 2339 लोग ईलाज करा रहे हैं। प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,46,805 क्षेत्रों में 4,32,349 टीम दिवस के माध्यम से 2,77,27,360 घरों के 13,63,03,356 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय उपचार के लिए ई-संजीवनी पोर्टल शुरू किया गया है। ई-संजीवनी के माध्यम से 1942 लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। अब तक कुल 1,60,416 लोगों ने ई-संजीवनी पोर्टल पर चिकित्सकीय परामर्श लिया। श्री प्रसाद ने बताया कि अगले महीने 03 अभियान चलाया जायेगा। अभी संचारी रोग अभियान चल रहा है। सभी लोगों से अपील है कि वे अपने घरों के आस-पास साफ-सफाई एवं पानी का ठहराव न रहने दें। घर में साफ-सफाई रहेगी तो डेंगू का प्रकोप कम रहेगा। उन्होंने बताया कि नवम्बर माह में 04 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जायेगा। इसके अलावा जो बच्चे अभी भी छूट गये हैं, इस अभियान के तहत वो अपने बच्चों का टीकाकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 02 नवम्बर से 11 नवम्बर के बीच 31 जनपदों में टीबी का अभियान चलाया जायेगा। इसके पहले 41 जनपदों में यह अभियान चलाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना से जो गांव छूट गये हैं उनको अगले माह एक अभियान चलाकर लगभग 7000 गांव में लोगों के गोल्डन कार्ड बनाये जाएंगे। त्योहारों का सीजन आ रहा है इसलिए मोहल्ला निगरानी समिति को सर्तक रहने की आवश्यकता है कि संक्रमण को न फैलने दिया जाए। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति बिना मास्क पहने घर से बाहर न निकले और सावधानी रखनी की आवश्यकता है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कां धरना अब 11 नवम्बर को

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की आज एक आवश्यक बैठक हुई। बैठक में बनारस के कल 25 अक्टूबर के धरने को लेकर विचार विमर्श हुआ जिसमें कुछ पदाधिकारियों ने तर्क दिया कि रामनवमी,दशहरा के त्यौहार होने के कारण सदस्यों और पदाधिकारियों की उपस्थिति कम होने की उम्मीद है। इसलिये धरने की तिथि में परिवर्तन करते हुए 21 नवम्बर को धरना देने के लिये तय किया गया। बैठक में राजीव यादव,सुनीता द्विवेदी,विकास सक्सेनाअरविंद कुमार कटियार,नान्हू प्रसाद,दिनेश दुबे और संजय कुमार शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत ही देश का मिशन:कमलेश पासवान

गोरखपुर/सरदारनगर विकास खण्ड के ग्राम रौतनिया सरदार के ग्राम प्रधान आद्या पासवान और ग्राम बड़ी बिलारी (सरैया) में ग्राम प्रधान भोलानाथ पासवान के यहाँ सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण बांसगांव लोकसभा के सांसद कमलेश पासवान और चौरी चौरा विधानसभा के विधायिक श्रीमती संगीता यादव ने किया। बांसगांव लोकसभा के सांसद कमलेश पासवान और चौरी चौरा विधानसभा के विधायिक श्रीमती संगीता यादव ने रौतनिया और बड़ी बिलारी (सरैया) गांव में बना सामुदायिक शौचालय का फीता काट कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर कमलेश पासवान ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वच्छता भारत ही देश का मिशन है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की ये सबसे महत्वपूर्ण योजना है। जिससे गांव में निवास करने वाली बेटी-बहु और मां-बहनों को शौच के लिए घर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। और घरों में सुरक्षित रहेगी। खेतों में शौच करने से गंदगी के साथ वायु प्रदुषित होता। इस अवसर पर चरगांवा ब्लाक के लोकप्रिय प्रमुख सुनील पासवान,ग्राम प्रधान भोला नाथ पासवान,प्रधान संघ अध्यक्ष अद्या पासवान ,जय प्रकाश चौबे,राम ईश्वर मल्ल,संजय तिवारी, इंद्रजीत पासवान,राम आसरे गौतम, अनिरुद्ध पासवान, संतलाल पासवान ,हिरामन पासवान,नेमधारी पासवान, हरिश्चंद्र पासवान, कैलाश पासवान, बृजबिहारी पासवान, राधेश्याम यादव, सुरेश यादव,भूलन पासवान,राजकुमार गुप्ता,आलोक पटवा,धर्मेंद्र जायसवाल, प्रदीप कन्नौजिया, वीरेंद्र पासवान, कमलेश गुप्ता,धीरज पासवान,चेतई पटवा, नीरज मणि, आनंद राय, दिनेश निषाद, मोहित शर्मा,मेराज, आशुतोष राय, चंदन पासवान,किसन निगम, अतुल यादव,प्रवीड यादव, राधेश्याम निषाद,विनय निषाद, सुनील विश्वकर्मा, अनुराग विश्वकर्मा, संजय भाई, नितिन, मुकेश पासवान, विकास गुप्ता, सुरेंद्र पासवान,झिनक निषाद, ओपी यादव, पप्पू यादव,अंजित पासवान, सांसद मीडिया प्रभारी संतोष श्रीवास्तव सहित अनेक लोग सोसल डिस्टेंस का पालन करते हुए उपस्थित रहे।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर/ नगर पंचायत बांसगांव का विवादों से एक रिश्ता कायम हो गया है। अध्यक्ष और प्रशासक के बीच फंसे नगर पंचायत बांसगांव में आवश्यक कार्यो के लिए भी भुगतान होना मुश्किल हो गया है । हालांकि पिछले दिनों एसडीएम बांसगांव द्वारा प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी संभाल लेने के बाद धीरे के निकाय प्रभारी एडीएम वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार सिंह ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत आवश्यक भुगतान करने के लिये ही प्रशासक को पुनः कार्यभार सौंपा गया है। बावजूद इसके नगर पंचायत बांसगांव के अंतर्गत कार्यरत आउट सोर्स सफाई कर्मियों को लगभग ढाई महीने से भुगतान नहीं किया गया। यहां आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों को विगत कई महीनों से वेतन के नाम पर एक रुपया नहीं मिला । यहां कार्यरत कर्मचारी त्यौहारी सीजन में भुखमरी का शिकार हो रहे हैं।

क्राइम ब्रांच और पिपराईच? थाना की पुलिस ने 15 हज़ार के इनामी अपराधी को किया गिरफ्तार

अपराधी के पास ने 315 बोर का तमंचा 315 बोर का कारतूस एक जिन्दा कारतूस और एक बाइक बरामद
काफी दिनों से फरार चल रहा था अपराधी राजकुमार

गोरखपुर/पिपराइच थाना की पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम ने हरखापुर तिराहे के पास पुलिस मुठभेड़ के दौरान ?15000 इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार इसके पास से 315 बोर का तमंचा कारतूस कारतूस का खोखा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी जोगिंदर कुमार ने बताया कि पकड़े गए बदमाश राजकुमार के ऊपर ?15000 इनाम घोषित था जिस को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है पिपराइच पुलिस हुआ क्राइम ब्रांच को मुखबिर के जरिए सूचना मिली की चुंगी तेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित हनुमान मंदिर के पास एक वांछित अभियुक्त हथियार लेकर घूम रहा है जिसके ऊपर गुलरिहा थाने पर ?15000 का इनाम भी घोषित है अपराधी पल्सर मोटरसाइकिल से अहिरौली बाजार जनपद कुशीनगर से पिपराइच बाजार जनपद गोरखपुर की तरफ आ रहा है जिसे घेराबंदी करके गिरफ्तार करने की कोशिश की गई तो अपराधी पुलिस टीम को देखकर फायर करने लगा पुलिस की टीम अपने को बचाव करते हुए घेराबंदी करके अपराधी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम राजकुमार पुत्र खजुरी निवासी मदनपुर थाना खड्डा जनपद कुशीनगर हाल पता पादरी बाजार थाना शाहपुर का बताया है अभियुक्त ने पूछताछ के दौरान बताया कि 14 दिसंबर 2019 को प्रॉपर्टी डीलर छोटू प्रजापति के ऊपर गुलरिया क्षेत्र में अपने साथी विपिन आनंद के साथ मिलकर हमला किया था हमले के दौरान गोली लगने से वह बच भी गया था उसके बाद पुनः हम लोग छोटू प्रजापति को मारने वाले थे लेकिन विपिन सिंह अन्य साथीयो के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ गए थे और मैं फरार हो गया था। एसएसपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश के पास से 315 बोर का तमंचा फायर कारतूस एक जिंदा कारतूस और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया गया है अभियुक्त के खिलाफ गुलरिया और पिपराइच थाने में मुकदमा पंजीकृत है। गिरफ्तार करने वाली टीम में पिपराइच थाना अध्यक्ष अनिल कुमार उपाध्याय क्राइम ब्रांच प्रभारी सादिक परवेज़ एसओजी प्रभारी चंद्रभान सिंह उप निरीक्षक पवन कुमार उपनिरीक्षक हरेराम यादव, हेड कांस्टेबल राज मंगल सिंह शशिकांत राय योगेश सिंह राशि दस्तरखान सनातन सिंह धीरेंद्र सिंह मोहसिन खान प्रदीप राय कुतुबुद्दीन धर्मेंद्र नाथ तिवारी शिवानंद उपाध्याय राकेश कुमार यादव इंद्रेश कुमार वर्मा रणवीर सिंह गणेश शंकर पांडे बब्बन वर्मा रमा शंकर तिवारी शामिल है।

देवरिया उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत पक्की जयप्रकाश यादव

गोरखपुर/ गोरखपुर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी के नेतृत्व में हम लोग आज लगातार तीसरे दिन गौरी बाजार कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के झंडा को बुलंद करते हुए सपा प्रत्याशी ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी पूर्व मंत्री के लिए हम समाजवादी पार्टी के लोग सड़क पर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। हम लोग घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी के साइकिल वाले निशान और बटन को दबाने के लिए अपील कर रहे हैं। क्योंकि देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जो गरीब शोषित किसान मजदूर नौजवानों के विरोध में भाजपा सरकार काम कर रही है।

माननीय अखिलेश यादव जी के निर्देश पर हम लोग लगातार देवरिया की धरती पर जनसंपर्क एवं जन संवाद करते हुए हम लोग संकल्प लिए हैं। देवरिया उपचुनाव में ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी को जिता करके एक इतिहास रचने का काम करेंगे। जैसे गोरखपुर में उपचुनाव में भाजपा सरकार को हराकर के सांसद बनाने का काम किया गया था उसी प्रकार देवरिया के उपचुनाव में सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए हम लोग संकल्पित हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जयप्रकाश यादव जिला उपाध्यक्ष,देवेंद्र भूषण निषाद नेता पिपराइच विधानसभा, दूधनाथ मौर्य, अजय सोनकर ,सुनील कुमार आजाद एडवोकेट शंभू नाथ साहनी प्रधान बिंदा देवी सैनी रामदेव निषाद मनीष पांडे विजेंद्र सिंह अशोक चौहान।

जनसेवक हैं राहुल जयसवाल:कमलेश पासवान

गोरखपुर/बांसगांव लोकसभा के लोकप्रिय सांसद कमलेश पासवान और चौरी चौरा विधानसभा के विधायिका श्रीमती संगीत यादव ने कुसमी स्थिति वार्ड संख्या दो के जिला पंचायत सदस्य के लिए भावी प्रत्यासी भाजपा जिला कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल जयसवाल के जन संपर्क कार्यालय का उद्धघाटन विधिवत पूजा पाठ के पश्चात फीता काट कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमलेश पासवान ने कहा कि कार्यालय के माध्यम से निरंतर क्षेत्र की जनता के संपर्क में रहकर जनता के सुख व दुःख में रहते हुये लगातार जनसेवा करते रहते है ।आये हुए सभी आगंतुकों का राहुल जयसवाल ने स्वागत किया। इस अवसर पर चरगावा के लोकप्रिय ब्लाक प्रमुख सुनील पासवान,विनोद गुप्ता, सोमनाथ सिंह सोनू,मदन विश्वकर्मा,के0एम0 मझवार, अनिल कुमार, समाजसेवी राजेन्द्र पांडेय, अशोक जयसवाल, रामपाल सिंह, मोहन मौर्य, दयाशंकर सिंह, संतोष प्रजापति, रमेश विश्वकर्मा, शैलेन्द्र निषाद,राजकुमार गुप्ता,आलोक पटवा,धर्मेन्द्र जायसवाल,पूर्व ब्लाक प्रमुख पिपराइच आनन्द शाही, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजदेव पासवान व रामबृक्ष यादव,ग्रिजेश पासवान,विनोद गुप्ता, ओपी यादव, सांसद मीडिया प्रभारी संतोष श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

शहरीकरण के साथ ऊर्जा की आवश्यकता कई गुना बढ़ी

अलीगढ़ संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जेडएच कालिज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालोजी के इलैक्ट्रीसिटी इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवम् ग्रीन यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट के कनवीनर तथा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोलर एनर्जी में विजिटिंग प्रोफेसर डा0 मुहम्मद रिहान ने विश्व ऊर्जा दिवस के अवसर पर एक्सिस ग्रुप आफकालेजेज, कानपुर द्वारा सोलर एनर्जी सोसाइटी आफइंडियन और इंस्टीटयूशन आफइंजीनियर्स के स्टूडैंट चौप्टर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में आमत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। डा0 रिहान ने अपने व्यायान में बताया कि औद्योगिक गतिविधियों, तकनीकी प्रगति और शहरीकरण के साथ ऊर्जा की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के सभी रूपों में इलैक्ट्रिक एनर्जी ने सबसे अधिक मौलिक वृद्धि हुई है।

बुराई पर अच्छाई की होती है जीतः कमलेश पासवान

गोरखपुर/बांसगांव लोकसभा के सांसद कमलेश पासवान ने सभी देशवासियों की विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी एक ऐसा पर्व है, जिसे लोगों के मन में नई ऊर्जा, बुराई पर अच्छाई की जीत और लोगों के मन में नई चाह और सात्विक ऊर्जा भी ले आता है। भगवान राम ने कैसे बुराई का अंत कर रावण पर विजय प्राप्त की। और माँ दुर्गा ने महिषासुर को मारकर बुराई का अंत किया। 9 दिन देवी माँ के पूजा अर्चना के बाद यह विजयादशमी पर्व मनाया जाता है। यह जानकारी सांसद मीडिया प्रभारी संतोष श्रीवास्तव ने दी।

विजयादशमी पर अच्छाई की होती है विजयः सुनील पासवान

गोरखपुर/चरगावां विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख सुनील पासवान ने क्षेत्र वासियों को दिए विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर सुनील पासवान ने कहा कि दशहरा एक हिंदू त्यौहार है जो दुष्ट राजा रावण पर भगवान राम की जीत की दर्शाता है। यह महिषासुर पर देवी दुर्गा की जीत का भी प्रतीक है। दशहरे के दिन को विजयदशमी के रूप में जाना जाता है। इस दिन रावण का एक लंबा पुतला बनाया जाता है जो बुराई को दर्शाता है और बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाने के लिए दशहरे पर इसे जलाया जाता है।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल से अधिवक्ताओं के सहायता मद में 2919792/- रुपये का चेक प्रदान किया गया

गोरखपुर/माननीय सदस्य बार काउंसिल, उत्तर प्रदेश मधुसुदन त्रिपाठी जी द्वारा बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट,गोरखपुर को कोरोना संकट में जनपद के अधिवक्ताओं के सहायता मद में 2919792/- रुपये का चेक प्रदान किया गया है। हालाँकि यह रकम हर दृष्टि से नाकाफी हैं,, पर इस कदम का महत्व विश्वास बहाली की दृष्टिकोण से है। यह एक किरण हैं कि देर से ही सही हमारे रहनुमा हमारे लिये चिंतित तो हुए। कुछ भी नहीं से कुछ तो सही की तरफ तो चले।। आज जनपद के विभिन्न बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के आगमन से भी स्नेहाशीष का गौरव प्राप्त हुआ हैं।वर्तमान कार्यकारणी सौभाग्यशाली हैं कि विश्वास की यह धरोहर जरूरतमंद साथियों को पहुंचाने की प्रतीक्षित जिम्मेदारी हमें मिली है और हम इस बात के लिये सजग रहेंगे कि जो भी अहर्ताएं बार काउंसिल द्वारा निर्धारित की गयी है उसके अंतर्गत आने वाले सभी साथियों को लाभान्वित किया जा सके जल्दी ही इस हेतु आवेदन प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा की जाएगी। सिविल कोर्ट बार के पदाधिकारियों में हार्दिक आभार देने वालो में अध्यक्ष भानु प्रताप पांडेय, मंत्री अनुराग दुबे,दिलीप यादव,सन्तोष यादव उपाध्यक्ष, प्रवीन कुमार शुक्ला एडवोकेट उपाध्यक्ष,सन्त शरण शुक्ला जी,आशीष पांडेय, शुशील मिश्रा,राजू गुप्ता, अजया नन्द मुन्ना जी,रविन्द्र सिंह,विजेंद्र तिवारी,पदमा मिश्रा, मोहिनी त्रिपाठी, मीरा पाल सहित सभी पदाधिकारिय मौके पर उपस्थित रहे।

असुरन पुलिस चौकी प्रभारी व उनकी टीम के द्वारा क्षेत्र में किया गया पैदल भ्रमण

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंन्द्र कुमार के आदेशानुसार विजयदशमी त्योहार के मद्देनजर सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण सील रहकर शरारती तत्व एवं संदिग्ध वस्तु व्यक्ति पर निगरानी रखें व उनकी शिनाख्त करें उसी क्रम में शाहपुर थाना क्षेत्र के असुरन पुलिस चौकी प्रभारी अरविंद कुमार राय व एसआई दिनेश कुमार चौधरी व हमराह कर्मचारियों को साथ असुरन चौराहे से पादरी बाजार रोड तक पैदल गस्त किया गया। गस्त के दौरान संदिग्ध देखने वाले लोगों से पूछताछ कर व सही आइडेंटी और सही जवाब देने पर उन्हें जाने दिया गया।

प्रोफेसर बेग ने इकबाल की कविता एक शाम का विश्लेषण प्रस्तुत किया

अलीगढ़ संवाददाता। मुकद्दमा तारिख-ए-जबान-ए-उर्दू उर्दू भाषा के मूल और ऐतिहासिक विकास पर एक ऐतिहासिक काम है और प्रोफेसर मसूद हुसैन खान के सिद्धांत को उर्दू की उत्पत्ति के बारे में अकादमिक हलकों में एक विश्वसनीय काम माना जाता है। यह बात प्रोफेसर मिर्जा खलील ए0 बेग, लिंग्विस्टिक्स विभाग (एएमयू) के पूर्व अध्यक्ष, ने ÷उर्दू भाषा और भाषा विज्ञान में मसूद हुसैन खान की सेवाएं÷ विषय पर एक वेब वार्ता प्रस्तुत करते हुए कही। इस वेब वार्ता का आयोजन मसूद हुसैन खान लिंग्विस्टिक सोसायटी, भाषा विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बैनर तले किया गया था। इससे पूर्व उर्दू के उद्भव पर मुहम्मद हुसैन आजाद, हाफिज महमूद शेरानी, शम्सुल्लाह कादरी, मोहि-उद-दीन कादरी जोर, सैयद सुलेमान नदवी और टी0 ग्राहम बेली सहित कई प्रमुख उर्दू बुद्धिजीवियों ने अपने सिद्धांत दिए थे। परंतु एक प्रशिक्षित भाषाविद् के रूप में मसूद हुसैन खान ने इंडो-आर्यन भाषा विज्ञान में गहरा अध्यन किया और इस विषय पर एक आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया। उन्हें शूरसिनी प्राकृत की बहुत अच्छी समझ थी जो बाद में दिल्ली और उसके आस पास के क्षेत्रों में खरी बोली के रूप में बोली जाती थी। प्रोफेसर बेग ने इकबाल की कविता ÷एक शाम÷ का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया।भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एमजे वारसी ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि प्रोफेसर मिर्जा खलील ए0 बेग अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रख्यात भाषाविद् हैं जिन्होंने उर्दू भाषाविज्ञान पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर मसूद हुसैन खान ने बड़ी स्पष्टता और सफ्लता के साथ डायक्रोनिक विश्लेषण प्रस्तुत किया और उर्दू के चरणबद्ध विकास पर प्रामाणित साक्ष्य प्रस्तुत किए। प्रोफेसर वारसी ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन भी किया। अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए डा0 मसूद अली बेग ने उर्दू भाषा, भाषाविज्ञान तथा साहित्य में प्रोफेसर मिर्जा खलील ए0 बेग और प्रोफेसर मसूद हुसैन खघन की सेवाओं पर प्रकाश डाला। डा0 सबाहुद्दीन अहमद ने आभार जताया जबकि डा0 अब्दुल अजीज खान ने कार्यक्रम का संचालन किया।

महिलाओं ने की शस्त्र पूजा जाने क्या बोला

गोरखपुर/ विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति व दुर्गा वाहिनी कि महानगर कार्यकर्ताओ की ओर से सरस्वती बालिका विद्यालय सूरजकुंड में दुर्गा अष्टमी और शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मां भगवती के चित्र के समक्ष पहले दुर्गा चालीसा का पाठ किया और फिर शस्त्रों की पूजा की।

जननी के साथ मार्ग दर्शक है नारी

आयोजन की मुख्य अतिथि पूर्व महापौर डॉक्टर सत्या पांडेय ने कहा कि नारी अगर जननी है, और मार्गदर्शक है तो आवश्यकता पड़ने पर वह दुष्टों की संहारक भी है। अगर नारी शक्ति जागृत हो जाए तो समाज की तमाम बुराइयां खुद ब खुद समाप्त हो जाती है। इतिहास गवाह है की जब जब नारी ने समाज का नेतृत्व किया है इतिहास में परिवर्तन हुआ है। नारियों को कभी भी अपने को कमजोर नहीं समझना चाहिए। उनमें अपार ताकत है। बुराइयों को प्रतिकार करना होगा। विद्यालय की प्रधानाचार्य सरोज त्रिपाठी ने कहा कि अब नारी अबला नहीं रही, वह जीवन के हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलाएं उच्च पदों पर न हो। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का सम्मान हो रहा है। सरकार की तरफ से योजनाएं चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम भी हो रहे हैं, आयोजन को पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रीता मिश्रा, रणदीप कौर, रूप रानी आदि ने भी संबोधित किया। संचालन विनीता पांडेय और आभार ज्ञापन माया गुप्ता ने किया है। इस दौरान परिषद के प्रांत समन्वयक विश्व प्रताप सिंह बजरंग दल के सह -संयोजक दुर्गेश त्रिपाठी, सुनीता सिंह ,कंचन खेमका आदि मौजूद रहीं।

पुलिस के हत्थे चढ़ा टॉप टेन बदमाश इमरान उर्फ डेविड

शाहजहांपुर, संवाददाता। पुलिस कप्तान एस आनंद के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सदर बाजार पुलिस ने टॉप टेन हिस्ट्रीशीटर बदमाश इमरान उर्फ डेविड को नाजायज बंदूक व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। डेविड के खिलाफ सदर बाजार थाने में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज थे। शक्रवार की रात करीब 12 बजे सदर बाजार थाने के दरोगा मंगल सिंह अपनी टीम के साथ शहर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सुभाष नगर तिराहे के पास उन्हें एक संदिग्ध आदमी हाथ में बंदूक ले जाता दिखाई दिया। पुलिस को देख जब भागने लगा तो घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। उसके पास से मिली बंदूक नाजायज थी साथ उसके पास से दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुए। पकड़ा गया व्यक्ति सदर बाजार थाने का टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर बदमाश इमरान उर्फ डेविड पुत्र इम्तियाज निवासी मोहल्ला महमंद जलालनगर निकला।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की तारीख फिर आगे बढ़ी अब 31 दिसंबर तक फाइल कर सकेंगे

गोरखपुर/कोरोना महामारी को देखते हुए आयकर विभाग (इनकम टैक्स डिपार्टमेंट) ने रिटर्न भरने की आखिरी तारीख को एक बार फिर आगे बढ़ाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (ष्ट्बक्चञ्ज) से मिली जानकारी के अनुसार, जिन लोगों को अपने रिटर्न के साथ ऑडिट रिपोर्ट नहीं लगानी पड़ती, वे 2019-20 के लिए अपना रिटर्न 31 दिसंबर तक जमा कर सकते हैं। पहले इसके लिए अंतिम तारीख 30 नवंबर 2020 तय की गई थी। वित्त मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, ऐसे टैक्सपेयर, जिनके रिटर्न में ऑडिट रिपोर्ट लगानी पड़ती है, उनके लिए आईटी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जनवरी 2021 तय की गई है।

झाड़ियों में दिखा अजगर

लखीमपुर खीरी, संवाददाता। बांकेगंज कस्बा के रेलवे गेट से गुजर रहे राहगीरों को सरेशाम झाड़ियों में एक विशालकाय अजगर बैठा दिखाई दिया। यह देख लोगों के होश उड़ गए। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दी। कस्बा स्थित रेलवे गेट से गुजर रहे राहगीरों को शुक्रवार शाम करीब सात बजे फाटक से सटी झाड़ियों में एक विशालकाय अजगर बैठा दिखाई दिया। डरे-सहमे लोगों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन कर्मियों की टीम ने अजगर को एक बोरी में बंद कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

गन्ने के खेत में डेरा डाले हुए है मादा तेंदुआ

लखीमपुर खीरी, संवाददाता। धौरहरा गांव धूसाखुर्द में बछिया का शिकार करने वाली मादा तेंदुआ अपने शावक के साथ गन्ने के खेत में डेरा डाले हुए है। शुक्रवार की रात तेंदुआ फिर बस्ती के काफी करीब आ गई, जिसे देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और आग जलाई। तब मादा तेंदुआ गन्ना के खेतों में छिप गई। गांव धूसाखुर्द निवासी जलील की बछिया का शिकार करने वाली मादा तेंदुआ अपने शावक के साथ गन्ने के खेतों में डेरा जमाए बैठी है। वन विभाग की टीम पेट्रोलिंग कर रही है तो गांव वाले रात भर जाग कर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक शुक्रवार की रात 11 बजे मादा तेंदुआ बस्ती के काफी करीब आ गई, जिसे देखकर जाग रहे ग्रामीणों ने शोर मचाया और आग भी जलाई। वन विभाग की टीम ने सर्च लाइटों को जलाकर उजाला किया तब जाकर तेंदुआ गन्ना के खेतों में भाग गई। लगातार तीन दिनों से गांव की तरफआ रहहे तेंदुए से ग्रामीणों में दहशत है। वन क्षेत्राधिकारी अनिल शाह ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले खेतों में न जाएं। बच्चों को भी खेतों में न जाने दें। तेंदुआ एक दो दिन में जंगल की ओर निकल जाएगा।

चरणों से पत्थर की शिला नारी बन बन गई

लखीमपुर खीरी, संवाददाता। मांगी नाव न केवट आना, कहइ तुम्हार मरम मैं जाना। श्रीराम वन जाने के लिए जब गंगा पार करना चाहते हैं तो केवट पैर धोने का आग्रह करता है। इसके लिए पहले वह नाव देने से मना करता है और कहता है कि जब आपके चरणों से पत्थर की शिला नारी बन बन गई तो यह तो लकड़ी की नाव है। यह तो कभी भी नारी बन सकती है। केवट से काफी देर वाद विवाद के बाद वह तैयार हो जाता है और भगवान के चरण धोकर उन्हें गंगा पार उतारता है।

फिंगर प्रिन्ट का क्लोन बनाकर खातों से धन निकासी करने वाले आठ शातिर अपराधी गिरफ्तार

775 फिंगर प्रिंट क्लोन तैयार 1574 आधार कार्ड डेटा नाम सहित बरामद

गोरखपुर/प्रदेश का पहला आर्थिक अपराध साइबर सेल व क्राइम ब्रांच की सूझबूझ व सक्रियता से 1574 लोगों के खाते से होने से बचा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक अपराध अशोक कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी अपराध/ गोरखनाथ रत्नेश सिंह के पर्यवेक्षण में अंगूठा लगाकर फर्जी तरीके से रूपये निकालने वाले साइबर अपराधिओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में साइबर सेल टीम को लगाया गया था। थाना रामगढ़ताल में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 994/ 20 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 411 भादवि व 66, 66 सी व डी आईटी एक्ट के अनावरण हेतु साइबर सेल की टीम लगी हुई थी मुखबिर की सूचना पर साइबर सेल/ अपराध शाखा व थाना रामगढ़ताल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा घटना मे सम्मिलित 08 अभियुक्तगण कृष्ण नन्दन पाण्डेय पुत्र स्व0 साधू शरण पाण्डेय निवासी महुलानी पोस्ट टीकुर थाना घेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर हालपता बिछिया अकोलवा टोला पीएसी कैम्प थाना शाहपुर जयशंकर यादव उर्फ बब्लू यादव पुत्र जगदीश यादव निवासी जंगल हकीम नम्बर-1 पादरी बाजार थाना शाहपुर जनपद नरेन्द्र रंजन पुत्र केशव प्रसाद निवासी चरगांवा पोस्ट चरगांवा थाना शाहपुर सुधीर कुमार पासवान पुत्र अम्बिका पासवान निवासी भगवानपुर थाना खजनी मनोज कुमार यादव पुत्र राजाराम यादव निवासी धनघटा खलीलाबाद थाना धनघटा सदानन्द श्रीवास्तव पुत्र सुरेन्द्रलाल श्रीवास्तव निवासी मुण्डेरालाला थाना अहिरौली उपेन्द्र सिह उर्फ इन्दल सिंह पुत्र मान सिंह निवासी नन्दानगर पोस्ट कूड़ाघाट थाना कैण्ट लल्ला कुमार सिंह पुत्र स्व0 राम सूरत सिंह निवासी हनुमान मन्दिर बिछिया थाना शाहपुर को क्लोन किये हुए 775 अदद फिंगर प्रिन्ट 04 अदद बायोमैट्रिक डिवाइस 09 अदद विभिन्न बैंको के एटीएम कार्ड 12 अदद सिम 10 अदद मोबाइल फोन मय सिम 135 अदद रजिस्ट्री पेपर सम्बन्धी कागजात की छायाप्रति 1574 आधार कार्ड डेटा(नाम व आधार कार्ड नम्बर सहित) मय 02 अदद रजिस्टर 01 अदद लैपटाप (डेल कम्पनी) 02 अदद चार पहिया वाहन (स्वीफ्ट डिजायर कार) आदि के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस लाइन सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि अधिवक्ता सुधीर कुमार पासवान नकल लेने के बहाने निबंधन कार्यालय से लोगों का आधार कार्ड और फिंगरप्रिंट उपलब्ध कराने का कार्य करता था लल्ला कुमार सिंह अपने नाम से सीएसपी ले रखा था उसी के आड़ में मास्टरमाइंड कृष्ण नंद पांडेय द्वारा जालसाजी कर फिंगरप्रिंट क्लोन तैयार किया जाता था जिसमें से 775 लोगों का क्लोन फिंगरप्रिंट तैयार था केवल उन्हें अपने द्वारा खुलवाए गए फर्जी अकाउंट में पैसा धीरे-धीरे करके ट्रांसफर करना था अभी तक विभिन्न लोगों के खातों से लगभग पौने तीन करोड़ रुपए ट्रांसफर कर ली हैं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह सभी जालसाज जरूरतमंदो को पैसो का लालच देकर सीएसपी एकाउन्ट/ ग्राहक सेवा केन्द्र एजेन्ट खाता एवं बैंको में एकाउन्ट ओपन कराकर सम्बन्धित की आई0डी0 पासवर्ड एटीएम कार्ड चेक बुक पास बुक इन्टरनेट बैंकिग किट आदि अपने पास रख लेते तथा लोगो के रजिस्ट्री सम्बन्धी कागजात से आधार कार्ड नम्बर व फिंगर प्रिन्ट प्राप्त कर उनके फिंगर प्रिन्ट का क्लोन बनाकर बैंक खाते से रूपये सीएसपी एकाउन्ट/ ग्राहक सेवा केन्द्र एजेन्ट खाता में ट्रान्सफर कर लेते है। सीएसपी एकाउन्ट/ ग्राहक सेवा केन्द्र एजेन्ट खाता से खुलवाये गये विभिन्न बैंक खाते में रूपये ट्रान्सफर कर एटीएम से निकाल लेते थे इन अभियुक्तों के खिलाफ रामगढ़ ताल खजनी व गिड़ा थानों में सुनील कुमार सिंह सहित 4 लोगों ने मुकदमा दर्ज करा रखा है मु0अ0सं0 734/2020 धारा 420 भादवि0 व 66 आईटीएक्ट थाना गीडा, गोरखपुर। मु0अ0सं0 713/2020 धारा 419/420 भादवि0 थाना खजनी, गोरखपुर। मु0अ0सं0 714/2020 धारा 419/420 भादवि0 थाना खजनी गोरखपुर। गिरफ्तार करने वालों में प्रमुख रूप से निरीक्षक सत्य नारायण यादव अपराध शाखा निरीश्रक असलम सिद्दीकी अपराध शाखा निरीश्रक सुनील कुमार पटेल अपराध शाखा निरीश्रक जे0पी0 सिंह अपराध शाखा उ0नि0 अनिल कुमार सिंह थानाध्यक्ष रामगढ़ ताल उ0नि0 महेश कुमार चौबे प्रभारी साइबर क्राइम सेल हे0का0 प्रियतोष यादव अपराध शाखा आरक्षी शशि शंकर राय साइबर क्राइम सेल आरक्षी शशिकांत जायसवाल साइबर क्राइम सेल म0आ0 नीतू नाविक साइबर सेल।

अब तो नीतीश हार के ही जीत सकते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूं तो पिछले छः साल में किसी भी चुनाव में अपनी ओर से कोई कोशिश उठा नहीं रखी है, फिर भी बिहार में विधानसभा के चुनाव में वह जितना और जिस तरह जोर लगा रहे हैं, वह इस चुनाव में नजर आती हवा के बारे में काफी कुछ कहता है। अब तक के कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री इस राज्य में चार दिन में पूरी बारह रैलियों को संबोधित करने जा रहे हैं। इससे पहले किसी और राज्य के चुनाव में प्रधानमंत्री ने इतनी ज्यादा रैलियां शायद ही की होंगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ, जो खुद को संघ परिवार के समर्थन के लिहाज से, प्रधानमंत्री के बाद दूसरे नंबर पर स्थापित करने की कोशिशों में लगे हुए हैं, पड़ोसी राज्य के चुनाव में प्रधानमंत्री से भी ज्यादा, पूरी बीस सभाएं करेंगे। बहरहाल, इस संख्या से भी ज्यादा अर्थपूर्ण है वह प्रचार, जो खुद प्रधानमंत्री और उनके बाद नंबर-2, नंबर-3 आदि आदि कर रहे हैं। बिहार के चुनाव के लिए भाजपा का चुनाव घोषणापत्र भी, इन सभाओं से कम ही सही, पर इसी प्रचार का हिस्सा है। बेशक, इस चुनावी प्रचार एक बड़ा हिस्सा तो, जैसी कि मोदी की खास शैली व प्रचार नीति है, अपने राज की नाकामयाबियों को नकारने के लिए, बेझिझक ठीक उन्हीं क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के लंबे-चौड़े दावे करना है, भले ही सच्चाइयां उनसे ठीक उलट हों। अचरज नहीं कि कोरोना के इस दौर में प्रधानमंत्री ने, नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा-जदयू सरकार की, कोरोना पर काबू पाने में कामयाबी के ऐसे ही दावे से शुरूआत की है। कमाल की बात यह है कि प्रधानमंत्री सिर्फ इसके दावे पर ही रुक नहीं गए कि नीतीश सरकार ने कारोना पर काबू पा लिया है। इससे आगे बढ़कर, वह अपनी सभाओं में इसके दावे करते भी देखे गए कि कोरोना के दौर में नीतीश सरकार ने मुसीबत की मारी जनता की न भूतो न भविष्यत किस्म की मदद की है। याद रहे कि प्रधानमंत्री देश के पैमाने पर खुद अपनी सरकार के भी कोरोना की मार से जनता को काफी कारगर तरीके से बचाने के ही नहीं, इस मुसीबत के बीच गरीबों को अभूतपूर्व मदद देने के भी दावे करते रहे हैं और उनके बिहार के कथित एनडीए निजाम तक इसका विस्तार करने में कुछ भी अचरज की बात नहीं है। फिर भी, बिहार के मामले में टैस्ट से लेकर, बाकी तमाम व्यवस्थाओं तक, कोरोना को एक तरह से मूंदेहु आंख कहीं कछु नाहीं की शैली में हराने में मौजूदा निजाम की कामयाबी पर भरोसा करने वाले तो शायद मिल भी जाएंगे, जिसका सबूत कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की बिहार के चुनाव प्रचार में पूरी तरह से धज्जियां ही उड़ रही होने में भी मिल जाएगा। लेकिन, जहां तक इस भारी आपदा के बीच मुसीबत की मारी जनता और खासतौर पर गरीबों को राहत पहुंचाने का सवाल है, खुद नीतीश कुमार अपने राज की कामयाबियों का दावा करने में झिझकते हैं, फिर आम लोगों के ऐसे दावों पर विश्वास करने का सवाल ही कहां उठता है।वास्तव में बेरोजगारी के मामले में नीतीश सरकार की विफलता के अलावा, जोकि इस चुनाव में ऐसा बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा बनती नजर आ रही है, जो सारे समीकरणों को उलट-पुलट कर सकता है, कोविड संकट के बीच जनता को राहत पहुंचाने के मामले में नीतीश सरकार का रिकार्ड ही सबसे बड़ा मुद्दा है, जो इस चुनाव में नीतीश राज के खिलाफ जनता की आम नाराजगी का सबसे बड़ा कारण है। यह नाराजगी इतनी ज्यादा है कि, नीतीश कुमार की और जाहिर है कि उनके नेतृत्ववाले गठजोड़ की भी, लुटिया डुबो सकती है। सभी जानते हैं कि बिहार देश के उन राज्यों में से है, जहां से सबसे ज्यादा ग्रामीण गरीब स्त्री-पुरुष कमाई के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने के लिए मजबूर होते हैं। लॉकडाउन के चलते, इन मेहनत-मजदूरी की अपनी कमाई घर भेजने का यह सिलसिला ठप्प होने से, राज्य में पीछे रह गए उनके पचासों लाख परिवारों पर ही भारी मार नहीं पड़ी, लंबे और अनंतकाल तक चलते नजर आ रहे लॉकडाउन में इन मजदूरों की श्घर वापसीश् भी, उससे कम त्रासद नहीं थी।

एक ओर पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर तथा दूसरी ओर महाराष्ट्र व गुजरात तक से, सार्वजनिक परिवहन के साधन ठप्प होने के चलते पैदल ही और अपनी सारी गृहस्थी सिर पर उठाए, अपने श्घरोंश् के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा पर निकल पड़े लाखों मेहनतकशों में शायद सबसे बड़ी संख्या बिहारियों की ही रही होगी। कहने की जरूरत नहीं है कि उस त्रासदी की तस्वीरें लोगों को भूली नहीं हैं। इसमें सैकड़ों मौतें भी शामिल हैं, जो भूख-प्यास व थकान से लेकर असुरक्षित स्थितियों में यात्रा करने के कारण हुई बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं का नतीजा थीं। वास्तव में यह ऐसी त्रासदी भी नहीं है जो लोगों के अपने घर लौटने के बाद रुक गयी हो और अब सिर्फ तस्वीरों में ही रह गयी हो। रोजगार के ताजातरीन आंकड़ों में देखने को मिल रही, एक ही समय में ग्रामीण क्षेत्र में काम पाने वालों की संख्या बढ़ने और शहरी कामगारों की संख्या घटने की पहली, इसी त्रासदी के जारी रहने का सबूत है। पलट पलायन कर घर लौटे मेहनतकश आज, शहरों के अपने अपेक्षाकृत बेहतर कमाई के रोजगार को गंवाकर, ग्रामीण क्षेत्र में नाममात्र की कमाई के लिए मजदूरी करने पर मजबूर हैं। बहरहाल, इससे भी ज्यादा चुभने वाली चीज है, इस संकट के बीच घर लौटते मजदूरों से लेकर कोटा में कोचिंग कर रहे छात्रों तक के प्रति, नीतीश सरकार द्वारा प्रदर्शित निर्मम उदासीनता का रुख। याद रहे कि कोचिंग पर लाखों रुपए खर्च करने वाले छात्र, खाते-पीते मध्य वर्ग से नीचे के तबकों के नहीं होंगे। चाहे कोटा के छात्रों को वापस लाने से अंत-अंत तक इंकार करना हो या विशेष ट्रेनें मांगने में सबसे पीछे रहना या फिर इन विशेष ट्रेनों पर प्रवासी मजदूरों से बढ़े-चढ़े किराए की वसूली करना या फिर किसी तरह से बिहार तक पहुंच गए प्रवासी मजदूरों को क्वारेंटीन के नाम पर एक प्रकार से बिना किसी सुविधा के जेलों में बंद कर के रखना, यह सब बिहार की जनता आसानी से भूल नहीं सकती है। अचरज नहीं कि मोदी के विपरीत, खुद नीतीश कुमार कम से कम कोरोना के सिलसिले में अपनी सरकार की श्उपलब्धियोंश् के जिक्र से बचते ही हैं। फिर, कोरोना संकट के बीच, जनता को राहत पहुंचाने के कामों के जिक्र की तो बात ही क्या है? हां! वह पंद्रह साल के अपने राज में सड़क, बिजली आदि से लेकर खेती तक और खासतौर पर राज्य की विकास दर में बढ़ोतरी के दावे जरूर करते हैं। लेकिन, विकास के इन दावों को भी, बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे ने उलझा दिया है। विरोधी महागठबंधन के प्रचार द्वारा बेरोजगारी के मुद्दे को केंद्र में ला दिये जाने और खासतौर पर युवाओं पर उसका खासा प्रभाव पड़ने को देखते हुए, नीतीश कुमार के विकास के दावे फीके और बेअसर लगने लगे हैं। इसी का संकेतक है कि महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार, तेजस्वी यादव के सरकार में आने पर 10 लाख नौकरियां देने के वादे की नीतीश कुमार ने तो यह कहकर हंसी में उड़ाने की कोशिश की कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, जेल से या नकली नोट छापकरश्य लेकिन अगले ही दिन उनकी सहयोगी भाजपा ने चुनाव घोषणापत्र में तेजस्वी से भी ज्यादा, 19 लाख रोजगार देने का वादा कर दिया।

सम्पादकीय

मोदी सरकार पर उठती उंगलियां

मोदी सरकार के छह सालों में स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है। लोकतंत्र का जाप करते-करते इस सरकार में विरोध की आवाज उठाने वालों, सरकार की खामियों को दिखाने वाले, उसके फैसलों की आलोचना करने वाले अनेक पत्रकारों को तरह-तरह के दमन का सामना करना पड़ा। गौरी लंकेश जैसे कई पत्रकारों की आवाज हमेशा के लिए खामोश करा दी गई। जो जिंदा हैं, उन्हें भी डरा कर चुप कराने की कोशिशें जारी हैं। ताजा उदाहरण प्रशांत कनौजिया, अनुराधा भसीन, सिद्दीक कप्पन जैसे पत्रकार हैं। उत्तर प्रदेश में आपत्तिजनक ट्वीट करने के आरोप में प्रशांत कनौजिया को अगस्त में गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें हाल ही में जमानत मिली है। इधर जम्मू और कश्मीर के प्रमुख अंग्रेजी अखबार कश्मीर टाइम्स के श्रीनगर कार्यालय को सोमवार को संपदा विभाग ने सील कर दिया। इस पर कश्मीर टाइम्स की संपादक अनुराधा भसीन ने कहा, क्योंकि मैं स्पष्ट रूप से स्थिति को प्रतिबिंबित कर रही हूं और खुलकर बोल रही हूं, इसलिए मुझे बदला लेने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में अधिकारियों ने अनुराधा को जम्मू में उनके आधिकारिक निवास से बेदखल कर दिया था। कश्मीर टाइम्स कार्यालय पर हुई कार्रवाई की प्रेस क्लब ऑफइंडिया ने भी भर्त्सना की है। इसी तरह हाथरस मामले के बाद रिपोर्टिंग के लिए जा रहे केरल के पत्रकार सिद्दीक कप्पन को तीन अन्य लोगों के साथ उत्तरप्रदेश पुलिस ने कोई संज्ञेय अपराध करने की मंशा रखने के शक में सीआरपीसी की धारा 151 के तहत गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में चारों के खिलाफ राजद्रोह और आतंकवाद रोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्हें सात अक्टूबर को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था और अब इसकी अवधि 2 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले कप्पन से मिलने के लिए केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (केयूडब्ल्यूजे) द्वारा दायर की गई याचिका खारिज कर दी गई थी। उत्तरप्रदेश पुलिस उन्हें पापुलर फ्रंट ऑफइंडिया का सदस्य बता रही है। जबकि गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद केरल के एक प्रमुख पत्रकार संगठन ने सिद्दीक कप्पन को लेकर जानकारी दी थी कि वह केरल के कई मीडिया संस्थानों के लिए काम करने वाले दिल्ली के एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। बिना किसी सबूत के, बिना किसी गलती के हिरासत में भेजा जाना इस सरकार में आम बात हो गई है और उससे भी मामूली बात ये है कि अगर आप सरकार के समर्थक हैं तो फिर आप गोली मारो जैसी बातें अपने भाषण में कहें या हम खुद निपट लेंगे जैसी धमकी दें, या लाठी-डंडे लेकर किसी शैक्षणिक संस्थान में खुलेआम गुंडागर्दी करें, आप पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। क्योंकि पुलिस को इसमें समाज के लिए कोई खतरा नजर नहीं आता, शांति भंग होने का डर नहीं लगता। पुलिस-प्रशासन और सरकार को डर केवल अपने विरोधियों से लगता है, इसलिए उन्हें देश के लिए खतरा बताकर कैदखाने का रास्ता दिखा दिया जाता है। बल्कि इस सरकार को तो आरोपियों के परिजनों से भी शायद खौफ होने लगा है। इसलिए राहुल गांधी से जब कप्पन की पत्नी ने भेंट की, और अपने पति के लिए इंसाफ दिलाने में मदद मांगी, तो भाजपा को यह बात भी आपत्तिजनक लग रही है। इसलिए भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि जो देशविरोधी लोग हैं, कांग्रेस उनके साथ है। इससे पहले जब कश्मीर के तीन फोटो पत्रकारों को प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार मिलने पर राहुल गांधी ने उन्हें बधाई दी थी, तो भाजपा के संबित पात्रा ने राहुल गांधी को एंटी नेशनल कह दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को इस तरह बाधित किए जाने के प्रकरणों का नतीजा है कि इस साल वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों के समूह में दो स्थान नीचे उतरकर 142वें नंबर पर आया है। दुनिया देख रही है कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने की कोशिशें हो रही हैं और इसलिए ऑस्ट्रिया स्थित इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट और बेल्जियम स्थित इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट इन दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि कोरोना वायरस संकट के बाद से पत्रकारों के खिलाफ दायर किए गए केसों में तेजी देखने को मिली है। सरकार की कमियों को उजागर करने वालों की आवाज स्वास्थ्य संकट का बहाना बनाकर शांत की जा रही है। एक अच्छे और सफल पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए स्वतंत्र मीडिया का होना जरूरी है। पत्र में राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ग्रुप की रिपोर्ट का जिक्र किया गया है कि 25 मार्च से 31 मई के बीच करीब 55 पत्रकारों को महामारी कवर करने के दौरान लक्ष्य बनाया गया।

जटिल लेकिन दिलचस्प होती है अमेरिका की राष्ट्रपति निर्वाचन प्रणाली

अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव हर चार साल में नवम्बर के प्रथम मंगलवार को होता है। इस लिहाज से अगले राष्ट्रपति का निर्वाचन 3 नवम्बर को वर्तमान राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प एवं डेमोक्रेटिक पार्टी के जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन जूनियर के बीच होगा। जिस वर्ष में वाशिंगटन ने राष्ट्रपति का पद स्वीकार किया था, तभी से राष्ट्रपति उम्मीदवार की वैधानिक शर्तों आज भी वैसी ही हैं। जैसा कि संविधान द्वारा निर्देशित है, राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी नैसर्गिक रूप से अमेरिका में पैदा हुआ नागरिक हो, 14 वर्षों से देश में रहता आया हो और 35 साल या उससे अधिक आयु का हो। ये अर्हताएं किसी महिला अथवा अल्पसंख्यक को उम्मीदवार बनने से नहीं रोकतीं। पूर्व और वर्तमान में ज्यादातर प्रत्याशियों ने अपनी पार्टियों से उम्मीदवारी के लिए कड़ा संघर्ष किया है। इसे अपने जीवन का कार्य बनाते हुए आज कई राजनीतिज्ञ शहरों से राज्य और राष्ट्रीय कार्यालयों तक का सफर करते हैं। चुनावी प्रक्रिया की शुरुआत प्रारम्भिक चयन और समूह (कॉकसेस) से होती है। ये दो तरीके होते हैं जिनके माध्यम से राज्यों द्वारा एक सम्भावित राष्ट्रपति प्रत्याशी का चयन किया जाता है। सामान्यतरू राज्यों के प्रारम्भिक चयन में गुप्त मतदान की प्रणाली अपनाई जाती है। गुटबन्दी में स्थानीय जमावड़ा होता है जिसमें शामिल लोग अंत में उम्मीदवार विशेष को मत देते हैं। तत्पश्चात मामला पहुंचता है राजनैतिक दलों के नामांकन अधिवेशनों में जिसके दौरान सभी सियासती पार्टियां एक प्रत्याशी को चुनती हैं जिसके समर्थन में खड़ा रहा जाये। किसी राजनैतिक दल के अधिवेशन के दौरान राष्ट्रपति पद हेतु प्रत्येक नामांकित व्यक्ति अपना साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार भी घोषित करता है। अमेरिका के लोगों ने स्वयं को मजबूती से दो राजनैतिक दलों के साथ संबद्ध कर लिया है- डेमोक्रेटिक पार्टी एवं रिपब्लिकन पार्टी। वैसे कुछ स्वतंत्र पार्टियां और भी हैं, जैसे ग्रीन पार्टी या कुछ निर्दलीय उम्मीदवार भी कभी-कभार राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल होते हैं। हालांकि, एक शताब्दी में देश दो दलीय प्रणाली को ही आत्मसात कर चुका है। राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एक प्रचार टीम बनाते हैं और देश भर का दौरा कर अपने विचार एवं योजनाएं मतदाताओं को समझाते हैं। वे दूसरे दलों के प्रत्याशियों के साथ बहसों में हिस्सा भी ले सकते हैं। उम्मीदवार और पार्टी प्रतिनिधि धन एकत्र करने की लॉबी से जुड़ सकते हैं और अपने अभियान चलाने हेतु राशि संग्रहण के प्रेस व कॉरपोरेट कार्यक्रमों में भी शामिल हो सकते हैं। इनमें प्राप्त हर डॉलर खुले ऑडिट एवं सार्वजनिक जांच का विषय होता है। राष्ट्रपति का चुनाव इलेक्टोरेल कॉलेज कहे जाने वाली प्रक्रिया के तहत होता है। अतः पॉपुलर वोट कहलाने वाले इन मतों की गणना जीत के लिए हिसाब में नहीं ली जाती। इसकी बजाय राष्ट्रपति चुनाव में इलेक्टोरेल कॉलेज का इस्तेमाल होता है। चुनाव जीतने के लिए किसी प्रत्याशी को इलेक्टोरेल वोटों का बहुमत प्राप्त करना होता है। अगर किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिलता तो हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स राष्ट्रपति का चुनाव करता है तथा सीनेट उप राष्ट्रपति को चुनती है। अगर आप एक अमेरिकी नागरिक हैं, 18 साल या उससे अधिक उम्र के हैंय और शायद आप सोचते होंगे कि आप राष्ट्रपति प्रत्याशी के लिए राष्ट्रीय चुनाव में मतदान कर सकते हैं, तो आप आंशिक रूप से सही हैं। जब नागरिक पॉपुलर वोट में राष्ट्रपति चुनाव में अपना मत देते हैं, वे इलेक्टर्स चुनते हैं। उसके बाद इलेक्टर्स वोट देते हैं कि कौन अमेरिका का राष्ट्रपति बनेगा। किसी भी निर्वाचन में इलेक्टर्स वोट सामान्यतरू पॉपुलर वोट के अनुरूप होते हैं परन्तु देश के इतिहास में कई बार ऐसा भी हुआ है कि व्हाईट हाउस काबिज करने वाला सर्वाधिक पॉपुलर वोट प्राप्त किया हुआ नहीं होता। देश के निर्माताओं ने सोचा था कि इलेक्टर्स का इस्तेमाल देश को प्रतिनिधि राष्ट्रपति देगा जिससे राष्ट्रीय चुनाव के भ्रष्ट होने को टाला जा सके। संबंधित विधानसभा जो भी निर्देशित करेगी, उसके मुताबिक प्रत्येक राज्य एक निश्चित संख्या में इलेक्टोरल्स की नियुक्ति करेगी जो सीनेटरों एवं हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की कुल संख्या के बराबर होंगे और विधानसभा में जिसके लिए राज्य योग्यता रखता है। वैसे कोई भी ऐसा व्यक्ति इलेक्टर नियुक्त नहीं होगा जो अमेरिकी विधायिका का सदस्य होगा या अमेरिका राज्य का कोई लाभ या ट्रस्ट का पद धारण करता हो। इलेक्टर्स अपने-अपने राज्यों में एकत्रित होंगे एवं दो व्यक्तियों के लिए बैलट से वोट डालेंगे जिनमें से कम से कम एक उम्मीदवार उसी राज्य का रहिवासी न हो। कुछ चुनावों में इलेक्टोरल कॉलेजों ने राष्ट्रपति को अत्यन्त कम अंतरों से वोट देकर जिताया है। यहां तक कि इलेक्टोरल्स उन उम्मीदवारों को वोट देने में भी नाकाम रहे हैं, जिनके पक्ष में मत देने की उन्होंने शपथ ली थी। हालांकि अब यह चुनावी प्रक्रिया हमें अजीब लग सकती है, लेकिन यह जानकर और भी अजीब लगेगा कि देश के संस्थापकों ने राष्ट्रपति पद के प्रत्याशियों के लिए कोई भी प्रक्रिया प्रदान नहीं की है। आम चुनावों के दौरान राष्ट्रपति निर्वाचन के लिए अमेरिकी अपने मतदान केन्द्र जाते हैं। उन्हें शहरी, स्थानीय काऊंटी, जिला और राज्य स्तर के सभी मुद्दों पर भी मतदान करना होता है। वे गिनती, प्रस्तावों, संभावित कानूनों एवं एक प्रतिनिधि के लिए वोट करते हैं जो कांग्रेस में उनका प्रतिनिधित्व करे। अतरू यह सिर्फ दो उम्मीदवारों के बीच सीधा-सादा मतदान नहीं है। अधिक महत्वपूर्ण तो यह है कि लोग नीतियों एवं कानूनों पर वोट देते हैं ताकि उनकी आवाज सुनी जा सके। वे एक प्रतिनिधि के लिये भी वोट देते हैं जो नीतियों, मापदंड, प्रस्तावों, संभावित कानूनों एवं न्यायिक प्रणाली के आधार पर राष्ट्रपति का चयन करता हैविरोधों, कानूनों एवं संशोधनों सहित अनेक प्रयासों के पश्चात वर्तमान वोटिंग काफी सरल मुद्दा हो गई है। उसने अनेक सफर तय कर सभी रंगों, महिलाओं एवं मूल अमेरिकियों के लिये मतदान का अधिकार दिया है। आज राष्ट्रपति चुनाव में वोट देने के लिए आपको सिर्फ 18 वर्ष की आयु पूरी करनी होती है, एक अमेरिकी नागरिक होना होता है और आप सजायाफ्ता नहीं होने चाहिये। वैसे हर राज्य की अपनी खुद की अर्हताएं भी होती हैं। चुनाव का आखिरी चरण आ पहुंचा है। मतपत्र डाक से भी भेजे जा सकते हैं या प्रत्यक्ष तौर पर मतदान केन्द्रों में जाकर भी दिये जा सकते हैं। मतों की गिनती वास्तविक समय में की जाती है एवं डाक से प्राप्त वोटों की गणना तब तक लगातार होती है, जब तक कि प्रत्येक वोट गिन नहीं लिया जाता। मजेदार बात तो यह है कि इतने वर्षों में अब अमेरिकी राष्ट्रपति की चुनावी प्रक्रिया एक विशिष्ट चक्र के अनुसार आगे बढ़ती है, जो इस प्रकार है- चुनाव के पूर्व वसन्त में- उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने की इच्छा की घोषणा, चुनावी वर्ष के वसन्त में चुनाव के पहले उसी साल के ग्रीष्म में- प्रारम्भिक एवं कॉकसेस की डिबेट्स, चुनावी वर्ष में जनवरी से जून- राज्य एवं दलों के प्रारम्भिक चुनाव एवं कॉकसेस का आयोजन, जुलाई से सितम्बर का प्रारम्भ- राजनैतिक दलों द्वारा अपने प्रत्याशी चुनने के लिए नामांकन अधिवेशनों का आयोजन, सितम्बर व अक्टूबर- उम्मीदवारों द्वारा राष्ट्रपति डिबेटों में शिरकत, नवम्बर के प्रारम्भ में- मतदान दिवस, दिसम्बर-मतदाता (इलेक्टोरल) कॉलेज द्वारा मतदान, अगले कैलेण्डर वर्ष की जनवरी का प्रारम्भ- कांग्रेस द्वारा मतदान वोटों (इलेक्टोरल वोट्स) की गणना एवं जनवरी 20- उद्घाटन दिवस।

पंजाब में पराली और दिल्ली में जलती सियासत

फसलों का अवशिष्ट यानी पराली अब सियासत का मसला बन गया है। केंद्र और राज्य सरकारें समाधान खोजने के बजाय इस पर राजनीति करती हैं। राज्य सरकारें केंद्र पर तो केंद्र राज्यों पर दोषारोपण करतीं हैं। लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकालता। नवम्बर में ठंड जैसे ही दस्तक देती है दिल्ली में स्मोग यानी धुआं और धुंध आसमान पर छा जाता है। हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। आम जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस बार तो कोरोना का संक्रमण चल रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी भी दिया है कि अगर दिल्ली में वायु प्रदूषण पर रोक नहीं लगी तो कोरोना संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ सकता है। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। सरकारें पराली के लिए सिर्फ किसानों को जिम्मेदार ठहरा कर अपने दायित्व से नहीं बच सकती हैं। उसके लिए वैकल्पिक समाधान खोजना होगा। दिल्ली की आबोहवा दमघोंटू हो चुकी है। सांस लेना भी मुश्किल हो चला है। सुप्रीम कोर्ट पराली को लेकर बार-बार सरकारों और प्रशासन को चेतावनी दे रहा है। दिल्ली में ऑड-ईवन का फार्मूला भी लागू किया जाता है। लेकिन फिर भी सांसों पर संकट है। एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 24 घंटे में 20 से 25 सिगरेट से जितना जहरीला धुआं निकला है उतना एक नवजात निगल रहा है। जरा सोचिए, हमने दिल्ली को किस स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया के प्रदूषित शहरों में दिल्ली-एनसीआर अव्वल है। भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन हो रहा है। हम पराली पर सवाल उठा रहे हैं और किसानों को सुविधाएं देने की बजाय सारा दोष किसानों पर मढ़ रहे हैं। दिल्ली में तकरीबन 60 लाख से अधिक दोपहिया वाहन पंजीकृत हैं। प्रदूषण में इनकी भागीदारी 30 फीसदी है। कारों से 20 फीसदी प्रदूषण फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के 20 प्रदूषित शहरों में 13 भारतीय शहरों को रखा है, जिसमें दिल्ली चार प्रमुख शहरों में शामिल है। दिल्ली में 85 लाख से अधिक गाड़ियां हर रोज सड़कों पर दौड़ती हैं। इसमें 1400 से अधिक नई कारें शामिल होती हैं। इसके अलावा दिल्ली में निर्माण कार्यों और इंडस्ट्री से भी भारी प्रदूषण फैल रहा है। दिल्ली में आबादी का आंकड़ा एक करोड़ 60 लाख से अधिक हो चला है। ऐसे में दिल्ली में वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग अधिक बढ़ाना होगा। शहर में स्थापित प्रदूषण फैलाने वाले प्लांटों के लिए ठोस नीति बनानी होगी। दुनियाभर में ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स बहुत खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इस साल तो कोरोना की वजह से स्कूलों को बंद कर दिया गया है। जब वायु प्रदूषण अधिक बढ़ जाता है तो दिल्ली के अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। दिल्ली में कुछ वर्ष पूर्व वाहनों से प्रतिदिन 649 टन कार्बन मोनोऑक्साइड और 290 टन हाइड्रोकार्बन निकलता था, जबकि 926 टन नाइट्रोजन और 6.16 टन से अधिक सल्फर डाईऑक्साइड की मात्रा थी। जिसमें 10 टन धूल शामिल है। इस तरह प्रतिदिन तकरीबन 1050 टन प्रदूषण फैल रहा था।

आज उसकी भयावहता समझ में आ रही है। उस दौरान देश के दूसरे महानगरों की स्थिति मुंबई में 650, बेंगलुरू में 304, कोलकाता में करीब 300, अहमदाबाद में 290, पुणे में 340, चेन्नई में 227 और हैदराबाद में 200 टन से अधिक प्रदूषण की मात्रा थी। दुनियाभर में 30 करोड़ से अधिक बच्चे वायु प्रदूषण से प्रभावित हैं। 2017 में बढ़ते प्रदूषण की वजह से 12 लाख लोगों की मौत हुई थी। आज की स्थिति और भी भयावह है। सरकारों और संबंधित एजेंसियों का दावा है कि किसानों द्वारा पराली जलाए जाने से स्थिति गंभीर हुई है। पराली हजारों सालों से जल रही है, फिर इतना कोहराम क्यों नहीं मचा। दिल्ली की केजरीवाल सरकार के साथ पंजाब, हरियाणा की भी सरकारें इस पर काम कर रहीं हैं। दिल्ली सरकार पूसा के एक शोध पर केमिकल का छिड़काव कर पराली से खाद बनाने पर विचार कर रहीं है। सबसे उम्मीद भरी ख़बर करनाल से आई है जहां पराली से सीएनजी गैस बनाने का काम शुरू हुआ है। उसके बदले में किसानों को पैसा भी दिया जा रहा है। पंजाब में पराली से कोयला बनाया जा रहा है। केजरीवाल ने खुद कहा है कि वहां सात फैक्ट्रियां चल रहीं हैं। यह अच्छी और सुखद खबर है। किसान इससे संवृद्ध होगा और उसकी आय बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश सरकार को भी इस तरह के विकल्पों पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। पराली सिर्फ दिल्ली की नहीं पूरे उत्तर भारत की समस्या है। जिसमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चमी उत्तर प्रदेश शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की यह नैतिक जवाबदेही बनती है कि वह पराली समस्या पर मिलकर काम करें।

सार समाचार ....

11 में से 8 मैच हारने के बाद धोनी बोले- किस्मत साथ नहीं थी, तीन मैच अगले साल की तैयारी के लिए

नई दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल-13 में शुक्रवार रात को एक मैच में मुंबई इंडियंस ने पिछले बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स को 10 विकेट से हरा दिया। 11 मैचों में चेन्नई की यह आठवीं हार है। इस हार के साथ चेन्नई की प्लेऑफ में जाने की उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं। मैच के बाद सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा- धोनी ने कहा- जब सभी चीजें गलत या आपके खिलाफ होती हैं तो दुख होता है। यह साल हमारे लिए अच्छा नहीं रहा। एक दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, जब टीम 8 या 10 विकेट्स से हारती तो इन बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। टीम और व्यक्तिगत तौर पर खिलाड़ी भी इस प्रदर्शन से निराश हैं। उम्मीद है बाकी तीन मैचों में हम खुद को बेहतर साबित कर सकेंगे।

चेन्नई को खिलाड़ियों की चोट से जूझना पड़ा चेन्नई ने इस सीजन का आगाजा मुंबई को 5 विकेट से हराकर किया था। लेकिन, बाद में टीम हारती चली गई। खिलाड़ियों की चोट से भी जूझना पड़ा। अंबाती रायडू चोटिल हो गए। उन्होंने पहले मैच में मुंबई के खिलाफ 48 गेंद पर 71 रन बनाए थे। दो मैचों के बाद रायडू ने वापसी की। लेकिन, पहले मैच की तरह बल्लेबाजी नहीं कर सके। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में ड्वेन ब्रावो चोट के कारण बॉलिंग नहीं कर सके। बाद में बाकी मैचों से हट गए।

बदलाव भी नहीं आया काम मुंबई के खिलाफ मैच में इमरान ताहिर को सीजन का पहला मैच खेलने का मौका मिला। रितुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन को भी मौका मिला। ये दोनों ही बल्लेबाज भी शून्य पर आउट हो गए। टॉप ऑर्डर के बैट्समैन जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट की गेंदबाजी के सामने कुछ नहीं कर सके। ताहिर को भी कोई विकेट नहीं मिला। किस्मत ने भी साथ नहीं दियाधोनी ने कहा - यह पता लगाना होगा कि चीजें बार-बार गलत क्यों हो रही हैं। राजस्थान के खिलाफ दूसरे मैच में अच्छी गेंदबाजी जरूरी थी। रायडू शुरुआत में चोटिल हो गए। उनकी जगह नए बल्लेबाजों को मौका मिला। लेकिन, वे भी उम्मीदों के मुताबिक नतीजे नहीं दे सके। क्रिकेट में जब आप बुरे दौर से गुजर रहे हो तो किस्मत का भी साथ जरूरी होता है। जिस मैच में बल्लेबाजी करना चाहते थे, उसमें हम टॉस नहीं जीते। जब दूसरी बैटिंग की तो इसका फायदा इसलिए नहीं मिला क्योंकि विकेट स्लो हो चुका और मैदान पर ओस ज्यादा थी। स्ट्रोक्स बाउंड्री तक नहीं पहुंच रहे थे।

यूएई में परेशानी की सैकड़ों वजह धोनी ने कहा - यूएई में टीम को दिक्कत के 100 कारण हो सकते हैं। लेकिन, जरूरी यह है कि आप खुद से यह सवाल करें कि क्या हम अपनी काबिलियत के हिसाब से खेले।

अगले सीजन पर धोनी ने क्या कहा

अब अगले सीजन पर फोकस धोनी की नजर अब अगले सीजन पर है। उन्होंने कहा- अगले सीजन के बारे में नजरिया साफ होना चाहिए। कई किंतु-परंतु हो सकते हैं। मसलन, अगले साल हमें ऑक्शन कैसा करना चाहिए। मैच कहां होंगे। उन प्लेयर्स के लिए भी मौका होगा जिन्हें अब तक प्लेइंग 11 में ज्यादा मौके नहीं मिले। उन्हें ज्यादा मौके देने होंगे, ताकि वे टैलेंट साबित कर सकें। न्यूजीलैंड के लेफ्टआर्म स्पिनर मिशेल सेंटनर, लोकल बॉलर केएम आसिफ और आर. साई किशोर ऐसे नाम हैं, जिन्हें बाकी तीन मैचों में मौका मिल सकता है। धोनी ने कहा- अगले तीन मैच इन प्लेयर्स के लिए बड़े मौके की तरह हैं। हमें इनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना होगा।

कोलकाता का पहला विकेट गिरा, शुभमन गिल 9 रन बनाकर आउट

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 44
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 19
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 25
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 137
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 128

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 42वां मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (चय्रक्र) और दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) के बीच अबु धाबी में खेला जा रहा है। दिल्ली ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। कोलकाता के नीतीश राणा और राहुल त्रिपाठी क्रीज पर हैं। शुभमन गिल सिर्फ 9 रन की बना सके और एनरिच नोर्तजे की बॉल पर अक्षर पटेल को कैच दे बैठे।

दिल्ली-कोलकाता में 2-2 बदलाव दिल्ली और कोलकाता की टीम में 2-2 बदलाव किए गए। पृथ्वी शॉ और डेनियल सैम्स की की जगह अजिंक्य रहाणे और एनरिच नोर्तजे को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। वहीं, कोलकाता में कुलदीप यादव और टॉम बेंटन की जगह सुनील नरेन और कमलेश नागरकोटी को टीम में जगह मिली।

दोनों देशों के विदेशी खिलाड़ी दिल्ली में मार्कस स्टोइनिस, शिमरॉन हेटमायर, कगिसो रबाडा और एनरिच नोर्तजे के रूप में 4 फॉरेन प्लेयर टीम में शामिल किए गए। वहीं, कोलकाता में कप्तान इयोन मॉर्गन के अलावा सुनील नरेन, पैट कमिंस और लोकी फर्ग्यूसन फॉरेन प्लेयर हैं।

दोनों टीमें कोलकाता- शुभमन गिल, सुनील नरेन, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी, इयोन मॉर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), पैट कमिंस, लोकी फर्ग्यूसन, कमलेश नागरकोटी, प्रसिद्ध कृष्णा और वरुण चक्रवर्ती।

दिल्ली- शिखर धवन, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), मार्कस स्टोइनिस, शिमरॉन हेटमायर, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कगिसो रबाडा, तुषार देशपांडे और एनरिच नोर्तजे।

पिछली बार दिल्ली ने कोलकाता को हराया था

सीजन में पिछली बार दोनों टीमों के बीच हुई भिड़ंत में दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 18 रन से हराया था। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शारजाह में 4 विकेट पर 224 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता 8 विकेट पर 210 रन ही बना पाई थी।

पॉइंट्स टेबल में दिल्ली दूसरे और कोलकाता चौथे स्थान पर पॉइंट्स टेबल की बात करें, तो दिल्ली 14 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। उसने 10 मैच में 7 जीते हैं। वहीं, कोलकाता 10 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। उसने 10 में 5 मैच जीते और 5 हारे हैं।

कोलकाता हारी, तो पंजाब-हैदराबाद को फायदा

किंग्स इलेवन पंजाब और सनराइजर्स हैदराबाद के नजरिए से देखें, तो कोलकाता की हार से सबसे ज्यादा फायदा इन्हीं दो टीमों का होगा। अगर कोलकाता इस मैच में जीत दर्ज करती है, तो प्ले-ऑफ की चौथी टीम की रेस में वह सबसे आगे हो जाएगी।

धवन-अय्यर दिल्ली के टॉप स्कोरर दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन ओपनर शिखर धवन ने बनाए हैं। धवन ने सीजन में अब तक 465 रन बनाए है। पिछली 4 पारियों में धवन ने 69, 57, 101 और 106 रन बनाए हैं। यहीं नहीं वे इन पारियों में नाबाद भी रहे हैं। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर 335 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

रबाडा सीजन के टॉप विकेट-टेकर दिल्ली के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा 21 विकेट के साथ पर्पल कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं। उनके बाद एनरिच नोर्तजे 12 विकेट साथ टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

कोलकाता-दिल्ली सबसे महंगे खिलाड़ी कोलकाता के सबसे महंगे खिलाड़ी पैट कमिंस हैं। उन्हें सीजन के 15.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसके बाद सुनील नरेन का नंबर आता है, जिन्हें सीजन के 12.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, दिल्ली में ऋषभ पंत 15 करोड़ और शिमरॉन हेटमायर 7.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। अबु धाबी में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 23 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 44 टी-20 में पहले गेंदबाजी करने वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 56.81त्न रहा है।

दिल्ली अब तक फाइनल नहीं खेली, कोलकाता 2 बार चैम्पियन बनी दिल्ली अकेली ऐसी टीम है, जो अब तक फाइनल नहीं खेल सकी। हालांकि, दिल्ली टूर्नामेंट के शुरुआती दो सीजन (2008, 2009) में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। वहीं, कोलकाता दो बार (2012, 2014) खिताब जीत चुकी हैं।

आईपीएल में कोलकाता का सक्सेस रेट दिल्ली से ज्यादा लीग में कोलकाता का सक्सेस रेट 52.12त्न है। कोलकाता ने कुल 188 मैच खेले हैं, जिसमें 97 में उसे जीत मिली और 91 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, दिल्ली का सक्सेस रेट 45.13त्न है। दिल्ली ने कुल 187 मैच खेले हैं, जिसमें 84 में उसे जीत मिली और 102 में हार का सामना करना पड़ा। 2 मैच बेनतीजा रहे।

प्ले-ऑफ में 3 टीमों की जगह लगभग पक्की

दुबई, एजेंसी। आईपीएल सीजन-13 के लगभग 70त्न मैच खत्म हो चुके हैं। अब सभी 8 टीमों के सामने प्ले-ऑफ में जगह बनाने की जंग शुरू हो चुकी है। मौजूदा पॉइंट्स टेबल में टॉप-3 टीम दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस का प्ले-ऑफ में पहुंचना लगभग तय हो गया है। फिलहाल, प्ले-ऑफ की चौथी टीम के लिए 5 टीमों के बीच टक्कर है। यह 5 टीमें चेन्नई सुपर किंग्स कोलकाता नाइट राइडर्स (चय्रक्र), किंग्स इलेवन पंजाब, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स हैं। मौजूदा स्थिति देखें तो इसमें चय्रक्र 10 पॉइंट्स के साथ बाकी चार टीमों से ऊपर है। वहीं, राजस्थान और चेन्नई के बाकी 3 टीमों से 1-1 मैच कम यानि 3-3 मुकाबले बचे हैं। ऐसे में चय्रक्र के पहुंचने की संभावना ज्यादा है।

नंबर-1 और नंबर-2 के लिए रोमांचक मुकाबले

मौजूदा पॉइंट्स टेबल की टॉप-3 टीमें मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु के 10-10 मैच खेलने के बाद 14-14 पॉइंट्स हैं। तीनों के 4-4 मैच बाकी हैं। ऐसे में तीनों टीमें 1-1 मैच और जीत लेती हैं, तो उनका प्ले-ऑफ में पहुंचना तय हो जाएगा। इनमें मुंबई का 1-1 मैच दिल्ली और बेंगलुरु से बाकी है। वहीं, दिल्ली-बेंगलुरु का भी एक मुकाबला बचा है। ऐसे में तीनों टीमों के बीच नंबर-1 और नंबर-2 की लड़ाई रोमांचक होने वाली है।

1. कोलकाता के लिए आसान होगी प्ले-ऑफ की जंग प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए चय्रक्र को ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए, क्योंकि मौजूदा टेबल में कोलकाता 10 में से 5 मैच जीतकर 10 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर काबिज है। उसे सिर्फ दो मैच ही जीतना है। साथ ही कोलकाता के बाकी 4 में 3 मैच पंजाब, चेन्नई और राजस्थान से हैं। चय्रक्र अगर इन तीन टीमों को हराती है, तो तीनों के लिए प्ले-ऑफ में पहुंचना और ज्यादा मुश्किल होगा।

2. हैदराबाद का नेट रन रेट बाकी 4 टीमों से बेहतर सनराइजर्स अभी 10 में से 4 मैच जीतकर 5वें नंबर पर काबिज है। टीम का नेट रन रेट प्लस (+0.092) में है। वहीं, बाकी चार टीमों का नेट रन रेट माइनस (-) में है। ऐसे में यदि सनराइजर्स बाकी बचे चारों मैच जीतती है, तो 16 पॉइंट्स के साथ टीम प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए टक्कर दे सकती है। हालांकि, टीम के लिए मुश्किल यह है कि उसके 3 मैच टॉप-3 टीम दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई से हैं।

3. पंजाब के बाकी 4 मुकाबले चय्रक्र, ष्टस्य, ऋक्र और से किंग्स इलेवन अभी 10 में से 4 मैच जीतकर छठवें नंबर पर काबिज है। प्ले-ऑफ के लिए पंजाब का खराब नेट रन रेट (-0.177) बड़ी समस्या है। हालांकि, टीम के लिए एक अच्छी बात यह है कि उसके बाकी 4 मैच कोलकाता, चेन्नई, राजस्थान और हैदराबाद से ही हैं। पंजाब यदि अपने सभी मैच जीतती है, तो 16 पॉइंट्स के साथ प्ले-ऑफ के लिए मजबूत जगह बना लेगी। वहीं, हारने वाली बाकी टीमों को बड़ा नुकसान होगा।

4. राजस्थान अब दूसरे मैचों पर निर्भर लीग का पहला खिताब जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स की हालत इस सीजन में बेहद खराब है। टीम 11 में से 4 मैच जीतकर 7वें नंबर पर है।

अब यदि टीम अपने बाकी 3 मैच जीतती भी है, तो उसके 14 पॉइंट्स हो जाएंगे। साथ ही टीम का नेट रन रेट (-0.620) भी बेहद खराब है। तब उसे दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

तीन जीत के साथ प्लेऑफ के दौर में पंजाब शामिल

नई दिल्ली एजेंसी। आईपीएल सीजन-13 के पहले हाफ में किंग्स इलेवन पंजाब का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और टीम को सात मैचों में से 6 में हार झेलनी पड़ी। सेकंड हाफ में राहुल की सेना ने कमबैक किया और तीन बदलावों ने टीम को फ्रंटफुट पर ला दिया। टीम ने टेबल पर टॉप कर रही तीन टीम दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व मुंबई इंडियंस को शिकस्त दी और प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखा। टीम को अब हैदराबाद का मुकाबला करना है और किंग्स इलेवन पंजाब की टीम उन्हें हराकर अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहेगी। किंग्स-11 के लिए डेथ बॉलिंग सबसे बड़ी परेशानी रही है और पहले तीन मैचों में उन्होंने अंतिम तीन ओवरों में 50 से ज्यादा रन लुटाए। केकेआर के साथ मैच में इसमें सुधार आया। क्रिस जॉर्डन ने पहले सेशन में 13 की इकॉनमी से बॉलिंग की जबकि सेकंड सेशन में उनकी इकॉनमी 11 तक आ गई। अर्शदीप ने भी अच्छी बॉलिंग की और टीम के प्रदर्शन को सुधारा। उन्होंने रन भी नहीं दिए और विकेट भी निकाले। मोहम्मद शमी ने अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाई और यॉर्कर डालकर सभी से तारीफ बटोरी।

मिडल ऑर्डर भी हुआ मजबूत...

किंग्स का टॉप ऑर्डर लगातार रन बना रहा रहा था, केएल राहुल और मयंक अग्रवाल के बल्ले से लगातार रन निकलते रहे। टीम का मिडल ऑर्डर चिंता का विषय शुरू से रहा और वहां से टीम के लिए रन नहीं निकले। हैदराबाद और कोलकाता के खिलाफ मैच में टीम का मिडल ऑर्डर फेल रहा। अब टीम का मिडल ऑर्डर मजबूत दिख रहा है जब निकोलस पूरन और ग्लेन मैक्सवेल फॉर्म में लौट आए हैं। दीपक हुड्डा ने भी टीम के लिए मिडल ऑर्डर में रन बनाए हैं। वे दो मैचों में नाबाद लौटे हैं।

टीम संतुलित दिखाई दे रही...

आईपीएल में वो टीम ज्यादा सफल मानी जाती है जो ज्यादा बदलाव नहीं करती। किंग्स ने फर्स्ट हाफ में काफी बदलाव किए लेकिन अब लग रहा है कि टीम को अपनी बेस्ट इलेवन मिल गई है। यही जीत का मंत्र है। पिछले तीन मैचों में टीम ने सिर्फ एक बदलाव किया है। जॉर्डन को चोट के कारण बाहर किया गया और पांच स्पेशलिस्ट बॉलर को टीम में शामिल किया गया। टीम का मकसद अब टॉप टीमों में जगह बनाना है और सेकंड हाफ के प्रदर्शन के आधार पर टीम ऐसा कर सकती है।

भारतीय पुरुष-महिला टीम सेमीफाइनल में पहुंची

चेन्नई, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय महिला शतरंज टीम ने शुक्रवार को एशियाई नेशन्स (क्षेत्रीय) ऑनलाइन शतरंज कप 2020 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि पुरुष टीम ने मंगोलिया पर संघर्षपूर्ण जीत से अंतिम चार में जगह बनाई। भारतीय महिला टीम ने अंतिम आठ के दौर में किर्गिस्तान को दोनों मुकाबलों में आसानी से 4-0 और 3.5-0.5 से हराया। सेमीफाइनल शनिवार को खेला जाएगा जिसमें भारतीय महिलाएं मंगोलिया का सामना करेंगी। दूसरी तरफ भारतीय पुरुष टीम को मंगोलिया से कड़ी चुनौती मिली। उसने अपने दोनों मुकाबले 2.5-1.5 के समान अंतर से जीते। पुरुष टीम शनिवार को सेमीफाइनल में ईरान से भिड़ेगी। युवा महिला ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और अपने दोनों मैच जीते। उन्होंने अलेक्सांद्रा समागनोवा को जबकि पद्मिनी राउत और पी वी नंदिता ने भी अपने दोनों मैचों में जीत हासिल की। भक्ति कुलकर्णी ने दूसरे मैच में बेगिमाइ जैरबेक के खिलाफ केवल आधा अंक गंवाया।

वैशाली ने पूर्व के राउंड में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने शीर्ष बोर्ड पर 6.5 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। कप्तान मेरी एन गोम्स ने पांचवें बोर्ड पर पांच जीत से स्वर्ण पदक जीता था। पदमिनी राउत को तीसरे बोर्ड पर नौ मेचों में 7.5 अंक के साथ रजत पदक मिला था। पुरुषों के के शशिकिरण ने नौ में से आठ अंक लेकर दूसरे बोर्ड में रजत पदक हासिल किया। पुरुषों के सेमीफाइनल में निहाल सरीन कड़ी चुनौती पेश करने के बाद गैंजोरिग अमरतुवशिन से हार गये जबकि एस पी सेतुरमन और शशिकिरण ने जीत दर्ज की। सूर्य शेखर गांगुली ने ड्रॉ खेला। दूसरे मैच में बी अधिबान और सरीन ने अपनी बाजियां जीती। शशिकिरण ने बाजी ड्रॉ खेली जबकि गांगुली को हार झेलनी पड़ी। टूर्नामेंट का फाइनल 25 अक्टूबर को खेला जाएगा।

पंड्या ब्रदर्स को धोनी ने टी शर्ट गिफ्ट की

नई दिल्ली एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 10 विकेट से हरा दिया। चेन्नई की आईपीएल में 11 मैचों में यह आठवीं हार है। हार के साथ ही चेन्नई के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो चुकी है। मैच के बाद धोनी ने अपनी जर्सी नंबर-7 मुंबई के खिलाड़ी हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या को गिफ्ट की। आईपीएल के ट्विटर हैंडल से इसके फोटो शेयर किया गया। जिसके बाद फैन्स में यह चर्चा शुरु हो गई की कहीं धोनी का यह आखिरी आईपीएल तो नहीं है। इससे पहले धोनी ने राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद जोस बटलर को भी अपनी जर्सी भेंट की थी।

चेन्नई तीन बार की चैम्पियन

चेन्नई तीन बार की चैम्पियन है। वह आईपीएल के शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रहे हैं। चेन्नई पिछले साल की विजेता टीम भी है। आईपीएल के इतिहास में पहली बार चेन्नई सुपरकिंग्स प्लेऑफ में नहीं जा पाएगी।

इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से धोनी ने लिया था सन्यास

धोनी ने आईपीएल से पहले इसी साल 15 अगस्त को अंतराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर विडियो पोस्ट कर सन्यास का ऐलान किया था। धोनी ने अपना आखिरी वनडे मैच पिछले साल वर्ल्ड कप के दौरान सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

इस सीजन में नहीं चला धोनी का बल्ला

इस सीजन में धोनी का बल्ला नहीं चला है। धोनी ने 11 मैचों में 180 रन बनाए हैं। धोनी ने आईपीएल के 201 मैचों में 41.17 की औसत से 4612 रन बनाए हैं।

पहली बार लीग में 8 मैच हारी, प्ले-ऑफ की राह मुश्किल; मुंबई टॉप पर

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन के 41वें मैच में मुंबई इंडियंस (स्द्ब) ने चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य) को 10 विकेट से हरा दिया। शारजाह में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 115 रन का टारगेट दिया। जवाब में मुंबई ने 12.2 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 116 रन बनाकर मैच जीत लिया। ईशान किशन ने नाबाद 68 और क्विंटन डिकॉक ने नाबाद 46 रन बनाए। आईपीएल में पहली बार चेन्नई लीग राउंड में 8 मैच हारी है। इससे पहले चेन्नई 2010 और 2012 में लीग में 7-7 मैच हारी थी। इस हार के बाद प्ले-ऑफ के लिए चेन्नई का सफर लगभग खत्म हो गया है। उसे अब अपने बचे तीनों मैच जीतने के अलावा बाकी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। वहीं, मुंबई सीजन में अपनी 7वीं जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

चेन्नई पहली बार 10 विकेट से हारी

आईपीएल में पहली बार किसी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 विकेट से हराया है। इससे पहले 2008 में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने ही धोनी की टीम को 9 विकेट से हराया था।

बची गेंदों के लिहाज से भी सबसे बड़ी हार

मुंबई ने यह मैच 46 गेंद रहते जीत लिया। चेन्नई के लिए बची गेंदों के लिहाज से भी यह सबसे बड़ी हार है। इससे पहले 2012 में दिल्ली ने चेन्नई को 40 गेंद रहते हराया था। वहीं, 2008 में मुंबई ने 37 और राजस्थान ने 34 गेंद शेष रहते चेन्नई को शिकस्त दी थी।

बोल्ट की सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग परफॉर्मेंस ट्रेंट बोल्ट को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वे आईपीएल में अब तक 54 विकेट ले चुके हैं। इस मैच में उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए, जो कि उनकी सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने 2015 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मोहाली में 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

ओपनिंग मैच में चेन्नई ने हराया था 19 सितंबर को आईपीएल के ओपनिंग मुकाबले में चेन्नई ने मुंबई को 5 विकेट से हराया था। अबु धाबी में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई को 163 रन का टारगेट दिया था। जवाब में चेन्नई ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीता था।

करन ने चेन्नई को 100 के पार पहुंचाया

इससे पहले चेन्नई के सैम करन ने आईपीएल में अपनी दूसरी फिफ्टी लगाई। वे 52 रन बनाकर आउट हुए। करन की पारी की बदौलत ही चेन्नई 20 ओवर खेल सकी और 9 विकेट पर 114 रन तक पहुंच पाई। चेन्नई के 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। करन के अलावा शार्दूल ठाकुर ने 11 और इमरान ताहिर ने नाबाद 13 रन बनाए। मुंबई के ट्रेंट बोल्ट ने 4, जसप्रीत बुमराह-राहुल चाहर ने 2-2 और नाथन कूल्टर-नाइल को एक विकेट मिला।

3 रन पर 4 विकेट गंवाए चेन्नई की शुरुआत बहुत खराब रही। रितुराज गायकवाड़ बिना खाता खोले ट्रेंट बोल्ट की बॉल पर आउट हुए। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने अंबाती रायडू (2) और एन जगदीशन (0) को लगातार बॉल पर आउट किया। इसके बाद फाफ डु प्लेसिस भी 1 रन बनाकर बोल्ट की बॉल पर आउट हुए।

धोनी-जडेजा भी नहीं चले रविंद्र जडेजा 7 रन बनाकर ट्रेंट बोल्ट की बॉल पर आउट हुए। इसके बाद कप्तान एमएस धोनी 16 रन बनाकर राहुल चाहर की बॉल पर पवेलियन लौटे। दीपक चाहर भी बिना खाता खोले आउट हुए। धोनी में 200 छक्के लगाने वाले पहले कप्तान बन गए। धोनी ने लीग में दो टीमों (चेन्नई सुपरकिंग्स और राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स) की कप्तानी की है। धोनी ने लीग में कुल 216 छक्के लगाए हैं। इस मामले में वह क्रिस गेल (335) और एबी डिविलियर्स (231) के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

सबसे जल्दी 4 विकेट गंवाने के मामले में चेन्नई दूसरे नंबर पर चेन्नई ने 3 रन के अंदर 4 विकेट गंवा दिए थे। सबसे कम स्कोर पर चार विकेट गंवाने के मामले में चेन्नई दूसरे नंबर पर आ गई है। द्बक्क में सबसे कम स्कोर पर 4 विकेट गंवाने का रिकॉर्ड कोच्चि टस्कर्स के नाम है। कोच्चि ने 2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 2 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे।

रोहित नहीं खेले, पोलार्ड ने कप्तानी संभाली

किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ हैम्स्ट्रिंग इंज्युरी की वजह से मुंबई के रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा चेन्नई के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह कीरोन पोलार्ड ने टीम की कप्तानी संभाली। वहीं, रोहित की जगह सौरभ तिवारी को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई।

चेन्नई में 3, मुंबई में एक बदलाव चेन्नई की टीम में 3 बदलाव किए गए। केदार जाधव, शेन वॉटसन और पीयूष चावला को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। उनकी जगह एन जगदीशन, रितुराज गायकवाड़ और इमरान ताहिर को मौका दिया गया।

स्विमिंग पुल में नजर आई श्वेता तिवारी

अभिनेत्री श्वेता तिवारी इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। हाल ही में श्वेता ने अपने फैंस के लिए नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वो स्विमिंग करते हुए दिख रही हैं। श्वेता की यह तस्वीरें वायरल हो रही हैं और लोग खूब कमेंट कर रहे हैं। श्वेता की यह तस्वीरें एक रिसॉर्ट में वेकेशन की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए श्वेता ने लिखा- जब कभी संदेह हो तो तैराकी करके इसे दूर करो। श्वेता की इन तस्वीरों पर दिव्यांका त्रिपाठी ने लिखा- हमेशा ही हॉट दिखती हो। वहीं, अश्मित पटेल ने लिखा कि वो भी स्विमिंग करना चाहते हैं। सारा ख़ान ने आग की इमोजी बनाकर श्वेता की तारीफ़ की। वहीं एक यूज़र ने लिखा- आखऱि इसका सीक्रेट क्या है? आप निश्चित रूप से अपनी उम्र को हरा रही हैं। आज की कई एक्ट्रेसेज़ से ज़्यादा हॉट और यंग दिखती हैं। श्वेता को सितम्बर में कोविड-19 संक्रमण भी हुआ था और वो सेल्फ़ आइसोलेशन में चली गयी थीं। श्वेता तिवारी काफ़ी वक़्त से अपने पति अभिनव कोहली के साथ मनमुटाव को लेकर भी ख़बरों में रही थीं। 2019 में श्वेता ने अभिनव के ख़लिाफ़ घरेलू हिंसी की शिकायत पुलिस में दर्ज़ करवाई थी। अभिनव से श्वेता की दूसरी शादी है। दोनों का एक बेटा रियांश है। श्वेता की पहली शादी राजा चौधरी से 1998 में हुई थी और 2007 में तलाक़ हो गया। पलक, श्वेता और राजा की बेटी हैं।

अंगूर का रीमेक बना रहे रोहित शेट्टी, रणवीर संग दिखेगी जैकलीन की केमिस्ट्री?

फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अजय देवगन के बाद एक्टर रणवीर सिंह पर जबरदस्त भरोसा जताया है। सिंबा और सूर्यवंशी के बाद अब तीसरी बार फिर ये जोड़ी साथ आने जा रही है। बताया जा रहा है कि रोहित शेट्टी 1982 की फिल्म अंगूर का रीमेक बनाने जा रहे हैं। उस फिल्म को मॉर्डन टच देते हुए रोहित कुछ नया और लीक से हटकर करने की तैयारी कर रहे हैं। अंगूर के रीमेक को लेकर लंबे समय से राज बना हुआ है। अब खबर आ रही है कि फिल्म में रणवीर सिंह के अपोजिट जैकलीन फर्नांडिस को कास्ट कर लिया गया है। मेकर्स इस फिल्म में रणवीर संग सिर्फ जैकलीक की ही जोड़ी चाहते हैं। अब जब सूर्ववंशी पर काम पूरा हो चुका है, ऐसे में रोहित शेट्टी अंगूर की रीमेक पर काम करने की तैयारी कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान रोहित ने इस फिल्म पर काफी काम किया है। अब स्टार कास्ट भी फाइनल कर ली गई है और बहुत जल्द शूटिंग भी शुरू होती दिख सकती है। वैसे रोहित शेट्टी पांच साल से अंगूर की रीमेक बनाने पर विचार कर रहे हैं। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान को लेने की तैयारी थी। उनको एक तरह से फाइनल भी कर लिया गया था। लेकिन बाद में डेट इश्यू की वजह से शाहरुख वो फिल्म नहीं कर पाए। अब रोहित ने अपने इस प्रोजेक्ट के लिए रणवीर सिंह पर भरोसा जताया है, जिनके साथ उन्होंने सिंबा जैसी सुपरहिट फिल्म दे रखी है। अंगूर में रणवीर के रोल को लेकर भी कई तरह के कयास लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि रणवीर सिंह फिल्म में डबल रोल में दिखने वाले हैं। वे अंगूर में संजीव कुमार वाला किरदार निभाते दिखेंगे। कहानी की बात करें तो इसे दो जुड़वा इंसानों के इर्द-गिर्द ही रखा जाएगा। उस कांसेप्ट के जरिए ही ढेर सारी कॉमेडी जनरेट करने की कोशिश रहेगी।

नीतू कपूर फिल्मों में कर रही हैं वापसी, इस बार साथ नहीं होंगे ऋषि

कपूरबॉलिवुड ऐक्टर ऋषि कपूर की असमय हुई मौत के बाद उनकी पत्नी नीतू कपूर एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी की तैयारी कर रही हैं। काफी समय से फिल्मों से दूर चल रहीं नीतू इस बार फिल्म जुग जुग जियो से वापसी करेंगी। पिछली बार नीतू कपूर साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म बेशर्म में दिखाई दी थीं जिसमें उनके साथ ऋषि कपूर और रणबीर कपूर दोनों थे। 37 साल में पहली बार बिना ऋषि कपूर के फिल्म में होंगी नीतू बेशर्म के अलावा नीतू कपूर फिल्म जब तक है जान, दो दूनी चार और लव आज कल में दिखाई दी थीं और इन चारों ही फिल्मों में वह ऋषि कपूर के ऑपोजिट ही थीं। इस बार नीतू कपूर को अनिल कपूर के ऑपोजिट कास्ट किया गया है। पिछले 37 सालों में यह पहली बार होगा जबकि नीतू कपूर अपने पति ऋषि के बजाय किसी और ऐक्टर के साथ दिखाई देंगी। इससे पहले साल 1983 में नीतू कपूर आखिरी बार शत्रुघ्न सिन्हा के ऑपोजिट गंगा मेरी मां में दिखाई दी थीं। नीतू कपूर और अनिल कपूर के अलावा इस फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी लीड रोल में होंगे। माना जा रहा है कि अगले महीने से फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। मुंबई मिरर को एक सूत्र ने बताया है कि

इस फिल्म का नामजुग जुग जियो होगा जिसमें दो अलग-अलग जेनरेशन के कपल्स की कहानी होगी। यह एक रोमांटिक कॉमिडी फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में टिपिकल नॉर्थ इंडियन फैमिली दिखाई जाएंगी। वरुण धवन इसमें एक एनआरआई के किरदार में होंगे। फिल्म की शूटिंग चंडीगढ़, मुंबई और विदेशों में भी होगी। ऐसी भी खबर है कि फिल्म में एक ए-लिस्ट स्टार को भी कास्ट किया जाएगा लेकिन यह स्टार कौन हैं इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

दुर्गाष्टमी पर अमृता राव ने लाल साड़ी में शेयर किया अपने बेबी बम्प का प्यारा वीडियो

अमृता राव अपने 9वें महीने की प्रेग्नेंसी में हैं और अब किसी भी वक्त अपने बच्चे को जन्म दे सकती हैं। अमृता ने लाल कलर की साड़ी में नवरात्रि के मौके पर अपने बेबी बम्प के साथ एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। अमृता राव ने इसके साथ कुछ खूबसूरत बातें भी लिखी हैं। अमृता ने दुर्गाष्टमी पर अपना वीडियो शेयर कर लिखा, नवरात्रि के शुभ अवसर पर मेरी प्रेग्नेंसी को 9 महीने पूरे हुए और इसके लिए मैं अपने आपको बहुत ही भाग्यशाली महसूस करती हूं। यह 9 दिन देवी दुर्गा और उनके 9 अवतार को समर्पित है। इसी के साथ उन्होंने मां दुर्गा से हर मां के लिए शक्ति देने की प्रार्थना की है। हाल ही में अमृता राव ने सफेद ड्रेस में अपने बेबी बम्प का फोटोशूट करवाया था, जिसकी तस्वीर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। अमृता राव ने अपने उस पोस्ट में अपने फैन्स से अपनी प्रेग्नेंसी को अब तक छिपाने के लिए माफी भी मांगी थी। अमृता ने लिखा था, आपके लिए यह 10वां महीना है, लेकिन मेरे लिए 9वां!!! सरप्राइज़ सरप्राइज़...अनमोल और मैं हमारे नौवें महीने में हैं ऑलरेडी! आप सबसे इस गुड न्यूज़ को शेयर करने के लिए काफी एक्साइटेड हूं मेरे फैन्स। बता दें कि अमृता और अनमोल की शादी साल 2016 में करीब 7 साल तक डेट करने के बाद हुई थी। यह शादी काफी गुपचुप तरीके से हुई और इसमें बस घरवाले और कुछ अपने लोग व दोस्त ही शामिल हुए। अमृता ने फिल्म अब के बरस से बॉलिवुड में डेब्यू किया था, जो कि साल 2002 में रिलीज हुई थी। हालांकि, अमृता को सबसे अधिक पसंद इश्क-विश्क और विवाह में किया गया। इन फिल्मों में शाहिद कपूर के साथ अमृता राव की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था।

कलाकार को सभी तरह के रोल में सक्षम होना चाहिए श्वेता त्रिपाठी शर्मा

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा का कहना है कि हरामखोर में प्यारी किशोरी की भूमिका के बाद मैं इन युवा कहानियों के लिए एक जैसी बन गई, लेकिन एक कलाकार को सभी तरह की चीजें करने में सक्षम होना चाहिए। मैंने सचेत रूप से उन कहानियों और फिल्मों को करने का विकल्प बनाया, जहां मैं किसी नर्म भूमिका में नजर न आऊं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा को लगता है कि लोकप्रिय क्राइम थ्रिलर वेब शो मिजार्पुर ने उनकी प्यारी लड़की की छवि को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा, मिजार्पुर करने का मेरा मुख्य कारण यह था कि मैं एक प्यारी हीरोइन से ज्यादा विश्वसनीय कलाकार के रूप में देखी जाना चाहती थी। ऐसे में कहानी की दुनिया और किरदार ने मुझे इस शो के लिए आकर्षित किया। मिजार्पुर के सीजन 1 में वह गोलू गुप्ता की भूमिका में दिखी थी। वहीं शो के आगामी सीजन में वह एक सख्त लड़की के रूप में दिखाई देंगी।बता दें कि पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह और मिहिर देसाई द्वारा निर्देशित, मिजार्पुर सीजन 2 23 अक्टूबर से एमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। श्वेता ने आगे कहा कि कहा, लाखों में एक का सीजन 2 और मिजार्पुर दोनों ने मुझे कैसे बदला, ये मैंने गौर किया है। ये दोनों अलग-अलग आउटिंग थे और वे दोनों मेरे अलग-अलग शेड्स को हाइलाइट कर रहे थे। एक धर्मी था, दूसरा सकारात्मक था। इन परतों ने इन भूमिकाओं को दिलचस्प बना दिया और मैं बस खुश हूं कि चीजों ने मेरे लिए काम किया। अब मुझे ऐसी भूमिकाएं मिल रही हैं जो कहीं अधिक बहुमुखी और दिलचस्प हैं।

शेरनी होगी विद्या बालन की अगली फिल्म, अभिनेत्री ने शुरू की शूटिंग

लॉकडाउन और कोरोना वायरस की वजह से पिछले काफी समय से बॉलीवुड की फिल्म इंडस्ट्री में किसी भी फिल्म की रिलीज और शूटिंग नहीं हो रही थी। हालांकि अब इसी बीच फिल्मों की शूटिंग शुरू हो गई है। कई बॉलीवुड कलाकार करीब छह महीनों तक अपने अपने घरों में रहने वाले बाद फिल्मों की शूटिंग शुरू कर दी है। जिसमे अब बॉलीवुड की अभिनेत्री विद्या बालन का नाम भी शामिल हो गया है। जी हां आपको बात दें कि अभिनेत्री विद्या बालन ने अपनी अगली फिल्म शेरनी की शूटिंग फिर से शुरू कर चुकी है। हाल ही में अभिनेत्री की फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई है जिसमे विद्या बालन को उनके क्रू के साथ देखा जा सकता है। इन तस्वीरों में विद्या बालन को अपने क्रू मेंबर्स के साथ बचाव के जरूरी उपाय को अपनाते हुए देखा जा सकता है। विद्या बालन की फिल्म शेरनी की शूटिंग मध्य प्रदेश में की जा रही है। एक तस्वीर में अभिनेत्री मास्क लगाकर पूजा करते हुए दिखाई दे रहे है वहीं उनके चारों ओर क्रू मेंबर्स है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विद्या बालन ने अपनी फिल्म शेरनी की शूटिंग काफी पहले ही शुरू कर दी थी। लेकिन अचानक हुए लॉकडाउन की वजह से उनको फिल्म की शूटिंग बीच में ही रोकनी पड़ी। फिल्म की शूटिंग मार्च में लॉकडाउन की वजह से रूकी हुई थी। जिसके बाद अब करीब साढ़े छह महीने के बाद फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू हुई है। शेरनी का निर्देशन अमित मासूरकर करने वाले है। इसकी कहानी इंसान और जानवरों के बीच संघर्ष की है। जिसमे विद्या बालन एक वन्य अधिकारी का किरदार निभाती हुई नजर आने वाली है।

अमित साध जिद' के लिए ले रहे हैं कड़ा प्रशिक्षण

अभिनेता अमित साध मौजूदा समय में अपने प्रोजेक्ट के लिए काफी कड़ा प्रशिक्षण कर रहे हैं। साध अपनी आगामी वेब सीरीज जिद' में नजर आने वाले हैं। पुश-अप्स से पुल-अप्स तक, अमित साध मनाली में वर्कआउट कर रहे हैं, जहां वह अपने शो की शूटिंग में व्यस्त हैं। अमित ने कहा, मेरा नया शिड्यूल इंटेंस है और इससे शो में काफी कुछ जुड़ेगा। इसलिए मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रहा हूं। मनाली एक बेहतरीन जगह है, इसलिए इस बेहतरीन लोकेशन में काम करना, सच में काफी प्रेरणादायक है।

अजय देवगन भूल गए मगर शाहरुख खान को याद थी काजोल की शादी की तारीख

बॉलिवुड में अगर बेस्ट कपल्स की बात की जाए तो शायद उनमें अजय देवगन और काजोल को जरूर गिना जाएगा। अजय देवगन और काजोल की शादी को 21 साल से भी ज्यादा समय हो गया है। इन दोनों के बीच का प्यार देखते ही बनता है लेकिन क्या आपको पता है कि एक बार अजय देवगन खुद की और काजोल की शादी की डेट ही भूल गए थे। फैन्स के लिए यह बड़ी ही ताज्जुब की बात थी। दरअसल एक बार अजय देवगन करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में शामिल होने के लिए गए थे। इस चैट शो के रैपिड फायर राउंट में करण ने अजय देवगन से उनकी शादी की डेट पूछी जिस पर अजय देवगन को अपनी शादी की डेट ही याद नहीं आई। सबसे मजेदार बात तो यह है कि उस समय उनके साथ काजोल भी मौजूद थीं और शादी की तारीख भूलने भर उन्होंने बेहद गुस्से से अजय की तरफ देखा था। अजय और काजोल की शादी 24 फरवरी 1999 के दिन हुई थी। इससे भी ज्यादा ताज्जुब की बात तो यह है कि भले ही अजय देवगन अपनी शादी की डेट भूल गए हों लेकिन शाहरुख खान को अजय-काजोल की शादी की डेट याद थी। दरअसल एक बार फिल्म %दिलवाले% के प्रमोशन के दौरान शाहरुख और काजोल करण जौहर के शो में पहुंचे थे और सवाल जवाब के बीच जब उनसे काजोल की शादी की तारीफ पूछी गई तो उन्होंने तुरंत ही सही डेट बता दी। काजोल भी उस समय शाहरुख के जवाब को देखकर ताज्जुब में पड़ गई थीं। वैसे बता दें कि काजोल और शाहरुख की दोस्ती काफी पुरानी है और अच्छी मानी जाती है। इन दोनों की जोड़ी को भी फैन्स काफी पसंद करते हैं। दोनों ने अपने करियर में अभी तक बाजीगर, करण अर्जुन, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, माय नेम इज खान और दिलवाले जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

छोटे बालों में टॉम बॉय दिख रहीं मलाइका अरोड़ा और अमृता

मलाइका अरोड़ा ने कल 23 अक्टूबर को अपना 47वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उनकी बहन अमृता अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। अमृता ने मलाइका के साथ कई पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें से एक तस्वीर फैन्स का ध्यान खूब खींच रही है। अमृता ने मलाइका को बर्थडे विश करते हुए कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर तब की है, जिसमें दोनों काफी यंग नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में अमृता और मलाइका अरोड़ा के बाल छोटे-छोटे नजर आ रहे हैं। इनफैक्ट मां की भी हेयरस्टाइल अमृता और मलाइका जैसी ही दिख रही। इस तस्वीर के साथ अमृता ने लिखा- सिर्फ हम तीन। बता दें कि मलाइका अरोड़ा तब केवल 11 साल की थीं, जब उनके पापा उन्हें छोड़कर चले गए थे और मां से उनका तलाक हो गय था। अमृता ने मलाइका की और भी कई पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह काफी ग्लैमरस दिख रही हैं।

कम्फर्ट क्रू के बिना शूटिंग के अनुभव पर कल्याणी प्रियदर्शन ने की बात

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन का कहना है कि कोरोनावायरस महामारी के बीच अपने कम्फर्ट क्रू के बिना फिल्म की शूटिंग करने का अनुभव काफी अलग है। पांच लघु कहानियों पर आधारित अपनी परियोजना पुथम पुधु कैलाई पर काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया, कि इसकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि इसे महामारी के दौरान फिल्माया गया। लॉकडाउन के उन दिनों में शूटिंग पहले की तरह से नहीं हो पा रही थी।

जाने-माने फिल्मकार प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी कहती हैं कि यूनिट के सदस्य सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा था कि सेट पर ज्यादा लोगों की भीड़ न हो। कल्याणी ने कहा, एक कलाकार के तौर पर यह काफी दिलचस्प अनुभव रहा। हमारे पास मेकअप या हेयर स्टाइलिस्ट की टीम नहीं थी, कोई सहयोगी या स्टाफ नहीं था, जो कि हमारे कम्फर्ट क्रू का हिस्सा हैं। कई बार इन लोगों के बिना किसी फिल्म में काम करने से आप झिझकते हैं। सेट बिल्कुल नया था, लोग नए थे। साथ निभाने के लिए कम्फर्ट क्रू के सदस्य भी थे, लेकिन कोविड-19 के चलते सावधानी को ध्यान में रखते हुए मैंने उन्हें जाने दिया।

कल्याणी कहती हैं, यह अनुभव कुछ हद तक आजादी महसूस करा रहा था। आपको अपना ख्याल खुद से रखना था। यह देखकर अच्छा लग रहा था कि कई लोगों के बिना खुद से भी ये सारे काम हो सकते हैं। जिस तरह से काम हो रहा था, उसे देखकर लगा कि हम मानो कॉलेज के दिनों में किसी शॉर्ट फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। पुथम पुधु कैलाई 16 अक्टूबर को एमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।